सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 236 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 9 जून 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

केन्द्रीय मंत्री गिरीराज की चुनौती, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बोले- किसी भी मंच पर बहस को तैयार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कुछ माह बाद छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने है और अभी से केन्द्रीय मंत्री छत्तीसगढ़ का दौरा करने लगे हैं। गुरुवार को केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह बस्तर पहुंचे है। कुछ दिनों में गृहमंत्री अमित शाह का भी दौरा है। एक ओर भाजपा के मंत्री जहां छत्तीसगढ़ सरकार को घेरने का प्रयास कर रहे हैं वहीं छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी उन्हें चुनौती दे रहे हैं। ताजा मामले में केन्द्रीय मंत्री ने छत्तीसगढ़ सरकार को धर्मांतरण के मुद्दे पर घेरने का प्रयास किया, तो सीएम बघेल ने भी केन्द्रीय मंत्री को चुनौती दे दी। उन्होंने धर्मांतरण व एमएसपी के मुद्दे पर भाजपा को कहा वे किसी भी मंच पर बहस को तैयार हैं।

बता दें छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे केन्द्रीय मंत्री गिरीराज सिंह प्रदेश सरकार पर हमलावर हैं। उन्होंने कहा कि, यहां के कका नहीं बल्कि खाका हैं, जो भारत के पैसे को खा गए हैं। बस्तर में धर्मांतरण को छूट दे रखे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि, कांग्रेस छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में सनातन धर्म को खत्म करने का प्रयास कर रही है। लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। गिरिराज सिंह ने कहा कि, भारत को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय साजिश चल रही है। बस्तर में धर्मांतरण हो रहे हैं। चर्च बन रहे हैं। भारत के सनातनियों को खत्म कर भारत पर कब्जा करने की योजना बनाई जा रही है। केन्द्रीय मंत्री के इस बयान के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी पलटवार किया और उन्होंने केन्द्रीय मंत्री की चुनौती स्वीकार की।

भाजपा के राज में सबसे ज्यादा हुआ धर्मांतरण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल धर्मांतरण के मुद्दे पर कहा है कि भाजपा के राज में सबसे ज्यादा धर्मांतरण हुए हैं। भाजपा के 15 वर्ष के शासन काल में जितने लोगों ने धर्म बदला उतना कभी नहीं हुआ। सीएम ने स्पष्ट किया है कि जहां से भी धर्मांतरण की शिकायतें मिल रही हैं वहां पर कार्रवाई हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय मंत्री के दावे को चुनाती देते हुए नकारा है। उन्होंने कहा कि जहां जिस धर्म के मानने वाले होंगे वहां उनका धार्मिक स्थल भी बनेगा। लोग चाहेंगे तो मंदिर बनेगा और चाहेंगे तभी चर्च बनेगा। उन्होंने लगातार यह बात दोहराई कि 15 साल में जितना धर्मांतरण हुआ उतना पहले कभी नहीं हुआ।

एमएसपी के मुद्दे पर भी केन्द्रीय मंत्री को सीएम भूपेश ने घेरा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एमएसपी के मुद्दे पर भी बात की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा कि वे बता दें किस मंच पर आकर बताना है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि यूपीए सरकार में जितना धान का समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है उतना भाजपा नहीं बढ़ा सकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व भाजपा के 10-10 सालों की तुलना कर लें तो पता चल जाएगा किसकी सरकार ने कितना बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने पेट्रोल डीजल व गैस के दामों को लेकर कहा कि पेट्रोल डीजल व गैस के दाम तब क्या थे और अब क्या हैं।

कांग्रेस का विजन साफ है, जीतने वाले कैंडीडेट को ही मिलेगी टिकट

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा में टिकट को लेकर भी कहा है। उन्होंने कहा कि टीकट देने का एक क्राइटेरिया होता है। जो जीत सकता है उसे टिकट दिया जाएगा। सीएम बघेल ने कहा कि कांग्रेस के लगभग सभी विधायकों की स्थिति मजबूत है। सभी की रिपोर्ट कार्ड अच्छी है। हो सकता है कुछ का स्वास्थ्य गत कारणों या अन्य कारणों से बेहतर प्रदर्शन न हो फिर भी उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है अभी काफी दिन बचे हैं और स्थिति सुधरती है तो उनकी भी टिकट नहीं कटेगी। विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस का स्टैंड एकदम साफ है जीतने वाले कैंडीटेट को टिकट मिलेगी।

खास - खबर

पेड़ पर लटकती मिली युवक-युवती की लाश, हत्या की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में युवक-युवती की लाश पेड़ पर लटकती मिली। गरियाबंद के चितव डोंगरी के पेड़ पर दोनों की लाश लटकती मिली। राहगीरों ने देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जिस समय पुलिस पहुंची दोनों युवक युवती के मुंह से खून निकल रहा था। पुलिस को दोनों की हत्या कर फंदे से लटकाने की आशंका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र की है। यहां स्थित साईमंदिर से लगे चितवा डोंगरी के पेड़ पर युवक-युवती की लाशें देख लोग हैरत में पड़ गए। देखते ही देखते क्षेत्र में यह बात फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों के मुंह से खून निकलते देखा है। बताया जा रहा है युवक-युवती के बीच प्रेम प्रसंग था। पुलिस के मुताबिक मृतकों की उम्र करीबन 14 से 15 वर्ष के आसपास है। दोनों आमदीपारा के रहने वाले हैं। पुलिस हत्या व आत्महत्या दोनों की एंगल से जांच कर रही है।

मेकाज में हुई सीआरपीएफ जवान की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

जगदलपुर। जगदलपुर के मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में उपचार के लिए भर्ती सीआरपीएफ जवान की मौत हो गई है। जिसके बाद साथ आए अधिकारियों ने जवान के शव का पीएम करवाने के बाद गृह ग्राम के लिए रवाना कर दिया गया।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए मेकाज पुलिस ने बताया कि दंतेवाड़ा में 111 बटालियन सीआरपीएफ में आरक्षक के पद में पदस्थ परवीन यादव 32 वर्ष निवासी ग्राम पोस्ट चंदई थाना रानीकिसाय जिला आजमगढ़ यूपी, जिन्हें बीमारी के चलते पांच जून को उपचार के लिए दंतेवाड़ा जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां खराब स्थिति को देखते हुए उन्हें मेकाज रेफर किया गया था। उपचार के दौरान परवीन ने दम तोड़ दिया।

राजधानी रायपुर के कॉम्पलेक्स में लगी भीषण आग, पीएनबी का एटीएम खाक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में शुक्रवार सुबह गोलबाजार थाना क्षेत्र के कॉम्पलेक्स में भीषण आग लग गई है। आग लगने से पंजाब नेशनल बैंक के एटीएम सहित कॉम्पलेक्स की 6 दुकाने चपेट में आ गई है। आग को फैलता देख आसपास से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फायर ब्रिगेड को सूचित किया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड आग बुझाना शुरू कर दिया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई है। आग कैसे लगी इसका कारण अज्ञात है। बताया जा रहा है कि शार्ट सर्किट इस हादसे की वजह हो सकती है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह गोल बाजार स्थित कांपलेक्स में भीषण आग लग गई है। कॉम्पलेक्स में पंजाब नेशनल बैंक एटीएम भी लगा है। एटीएम चेंबर में आग फैलने से पूरी मशीने खाक हो गई। वहीं आग की चपेट में लगभग 6 दुकाने आ गई। आग इतना भयानक दिख रहा था कि देखते ही देखते फैलने लगा। फायर ब्रिगेड की टीम ने पहुंचकर आग को आगे फैलने से बचा लिया। यह कॉम्पलेक्स बंजारी बाबा चौक और मोती बाग चौक के बीच में स्थित है।

आग के कारण दुकानों के साथ ही वहां पार्क की हुई वाहनों तक भी पहुंच गया। दुकानों के सामने खड़ी लगभग 7 से 8 गाडियां आग की चपेट में आ गई। पीएनबी के एटीएम पूरा जल गया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसमें रखे नोट सुरक्षित हैं या नहीं। एक्सपट्र्स की टीम एटीएम खोलेगी उसके बाद ही पता चल पाएगा। बताया जा रहा है इस फायर एक्सीडेंड से लाखों का नुकसान हुआ है। पुलिस फिलहाल आगजनी के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

ओड़िशा में फिर रेल हादसा : दुर्ग-पुरी के एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी आग, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

नुआपाड़ा (एजेंसी)। ओड़िशा में एक बार फिर रेल हादसा हुआ है। गुरुवार रात को नुवापाड़ा जिले के खरियार रोड स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब ट्रेन के बी-3 एसी कोच से धुआं निकलने लगा। इसके साथ ही यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। स्टेशन पर ट्रेन रुकी होने के कारण कोच से सभी यात्री बाहर आ गए। मौके पर फायर इक्यूपमेंट की मदद से समय रहते आग पर काबू लिया गया। इस आगजनी में किसी प्रकार की जनहानी नहीं हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग से पुरी के लिए निकली दुर्ग-पुरी एक्सप्रेस के बी-3 कोच में आग लग गई। नुवापाड़ा जिले के खरियार रोड स्टेशन में जैसे ही ट्रेन खड़ी हुई तो बी-3 कोच से धुआं उठता देखा गया। कुछ ही देर में अफरा-तफरी मच गई। सभी यात्री कोच से उतर गए। यहां तक दूसरे कोच के यात्री भी बाहर निकल गए। यात्री अपना सामान भी निकालने लगे। बताया जा रहा है कि एसी कोच के पास लगे ब्रेक बाइंडिंग में आग लग गई थी। जैसे ही आग की सूचना मिली दमकल की टीम मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पाया गया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया।

सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका तत्काल सुनने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से शुक्रवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाशकालीन पीठ ने रजिस्ट्री की ओर से दायर रिपोर्ट का अवलोकन किया और कहा कि इस मामले में कोई अर्जेंसी (तात्कालिकता) नहीं है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि गर्मियों की छुट्टियों के बाद मामले को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष रखा जाए।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि शीर्ष अदालत इतने महत्वपूर्ण मामले पर विचार नहीं कर रही है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह अदालत है, सार्वजनिक मंच नहीं और इस मामले को कहीं न कहीं खत्म होना चाहिए। यह दूसरी बार है जब शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया है। शीर्ष अदालत ने एक जून को अधिसूचनाओं को चुनौती देने वाली उपाध्याय की याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि वह गर्मियों की छुट्टियों के दौरान ऐसी याचिकाओं पर सुनवाई नहीं करेगी। वकील ने पहले कहा था कि अपराधियों और आतंकवादियों की ओर से 2,000 रुपये के बैंक नोटों को बिना किसी मांग पर्ची और आधार जैसे आईडी फ्रूफ के बदला जा रहा है।

गुजरात में लोगों को समोसे में गोमांस मिलाकर खिला रहा था सूरत के बाद अब नवसारी में बवाल

अहमदाबाद (एजेंसी) । गुजरात में एक बार फिर समोसे में बीफ (गोमांस) मिलाकर बेचने का मामला सामने आया है। सूरत के बाद अब पुलिस ने नवसारी में एक आरोपी को पकड़ा है, जिसका नाम मोहम्मद अब्दुल सूज है।

एन पी गोहिल, नायब पुलिस अधिक्षक, नवसारी के मुताबिक, लंबे समय से मोहम्मद अब्दुल सूज के खिलाफशिकायत मिल रही थी। लोगों को आशंका थी कि वह अपने समोसों में कुछ गलत चीज मिल रहा है। लोग समोसे खरीद कर अपने घर ले गए तो पाया कि उनमें मांस है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने सैंपल जांच के लिए भेजे। अब एफएसएल की रिपोर्ट आने पर पुष्टि हो गई है कि वह समोसों में गोमांस मिलाकर बेच रहा था। मोहम्मद अब्दुल सूज नवसारी जिले के दाबेल गांव में दुकान लगाता है। अब मोहम्मद सूज को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वह गोमांस लाता कहां से था।

भड़के हिंदू संगठन

समोसे में गोमांस मिलक बेचने का मामला सामने आने के बाद हिंदू संगठन भड़क गए हैं। लोगों ने प्रदर्शन भी किया। इनका कहना है कि एक वर्ग साजिशन ऐसी हरकतें कर रहा है, ताकि दूसरे वर्ग की भावनाएं आहत हो। हिंदू संगठन के लोग इस फूड जिहाद नाम दे रहे हैं। उनका कहना है कि वे मुसलमानों की दुकानों का बहिष्कार करेंगे। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

8 दिन की देरी से केरल पहुंचा मानसून एक सप्ताह में होगी छत्तीसगढ़ में एंट्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मानसून ने आठ दिन की देरी से आखिरकार गुरुवार को केरल में दस्तक दे दी। इसी के साथ भारत में बारिश के मौसम की शुरुआत हो गई। ऐसा नहीं है कि पहली बार मानसून के आने में देरी हुई है। इसके पहले साल 2016 और 2019 में मानसून आठ जून को आया था। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में मानसून की एंट्री को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। मौसम विभाग ने कहा है कि यदि कोई रुकावट नहीं हुई तो छत्तीसगढ़ में मानसून एक सप्ताह तक पहुंच जाएगा।

मानसून को लेकर मौसम विभाग ने एक नक्शा और शेड्यूल भी जारी किया है। इसमें विभाग ने बताया है कि केरल के बाद मानसून कब और कहां पहुंचेगा। केरल तक पहुंचे मानसून का असर अगले 48 घंटे के अंदर तमिलनाडु, कर्नाटक और दक्षिण के समुद्री इलाकों में देखने को मिलेगा। इसके अलावा पूर्वोत्तर के मणिपुर, मिजोरम, असम, नगालैंड और मेघालय में भी नौ से 12 जून तक बारिश का अनुमान है। वहीं, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में अगले दो से चार दिनों तक गर्मी और हीट वेब झेलना पड़ेगा।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से उछलकर दूर जा गिरी छात्रा, मौके पर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेज रफ्तार कार की टक्कर से 14 साल की छात्रा की मौत हो गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें सड़क किनारे बहन के साथ पैदल जा रही स्टूडेंट को 100 से अधिक रफ्तार से आ रही कार ने टक्कर मार दी। इससे छात्रा उछलकर दूर जा गिरी। हादसे के बाद नाराज लोगों ने दो घंटे तक चक्काजाम भी किया था। पूरा मामला जिले के सीपत थाना क्षेत्र का है।

ग्राम गुड़ी निवासी राजमिस्त्री का काम करने वाले प्रमोद रात्रे की 14 साल की बेटी सिमरन उर्फ विमला रात्रे आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। गुरुवार की सुबह वह अपने चाचा की 12 साल की बेटी विद्या के साथ उचित मूल्य की दुकान गई थी, जहां से दोनों खाली बोरी लेकर घर लौट रही थीं। घटना सुबह करीब 11 बजे की है। दोनों मेन रोड के किनारे चल रही थीं। उसी समय बलौदा की ओर से बिलासपुर आ रही तेज रफ्तार कार ने सिमरन को टक्कर मार दी। इस हादसे में सिमरन की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में बाल-बाल बची विद्या सदमे में हैं।

मानना तो पड़ेगा - वाकई दमदार है कांग्रेस

श्रीकंचनपथ

कांग्रेस बहुत दमदार है। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भी अब इसे स्वीकार कर ही लिया है। जो काम 2000 साल में ईसाई मिशनरी नहीं कर पाए, 3-4 सौ साल का मुगल साम्राज्य नहीं कर सका, उसे कांग्रेस करके दिखा रही है। अगर वह वाकई ऐसा कर पा रही है तो मानना पड़ेगा कि उसके पास अलादीन का चिराग है। गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने धर्मांतरण को खुली छूट दे रखी है। बेचारे को पता ही नहीं है कि भारत आरंभ से ही ऐसा रहा है। सनातनकाल से यह परम्परा चली आ रही है कि जिसे जो पूजना है, जैसे पूजना है वह पूज सकता है। सबके अपने अपने देवी देवता रहे हैं। जब पंथों का उदय प्रारंभ हुआ तो इसमें अनुयायी जोड़े जाने लगे। पहली बार एक जैसी मान्यता वाले एक झंडे के नीचे आने लगे। कहीं कोई विवाद की स्थिति नहीं बनी। इसमें ऐसे पंथ भी थे जो मूर्ति पूजा नहीं करते, मंदिरों में नहीं जाते। कोई ग्रंथ पूजता है तो कोई गुरू। किसी का शुभ रंग सफेद है तो किसी का नीला, किसी का गेरुआ है तो किसी का पीला। ईसाई और इस्लाम को लेकर आपत्ति केवल यही है कि इन दोनों पंथों की स्थापना विदेश में हुई। देश ने इसे भी खुली बाहों के साथ ही स्वीकार किया था। आज भी ईसाई मिशनरियों द्वारा स्थापित स्कूलों में सभी धर्म के लोग लंबी लाइनें लगाते हैं। वजह साफ है कि इन स्कूलों में सस्ते में अच्छी पढ़ाई होती है। यह भी सच है कि इन संस्थानों में नौकरी पाने की होड़ मची रहती है। ईसाई संस्थान नियम कानून से चलते हैं। वेतन से लेकर सेवा शर्तों तक में एक सिस्टम फालो किया जाता है। यहां काम करने वाला शायद ही कभी महसूस करता हो कि वह किसी का बंधुआ मजदूर है। भिलाई शहर का इतिहास उठा लें तो यहां 60 के दशक में शुरू हुए अंग्रेजी माध्यम शालाओं में प्रार्थना अंग्रेजी में ही होती थी। इन प्रार्थनाओं की तासीर ईसाइयत से ओतप्रोत होती थी। पर बच्चों ने इसे केवल प्रार्थना के रूप में ही लिया। कोई भी इस प्रार्थना के कारण ईसाई नहीं बना। जरूरत भी नहीं थी। उनका ध्यान रखने के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र जो था। इधर बस्तियों में, जहां गरीबी थी, मुश्किलें थीं, असहाय होने का भाव था वहां ईसाई मिशनरी सक्रिय हुए और धर्मांतरण की छिटपुट घटनाएं होती चली गई। दरअसल, समाज जीवंत वही होता है जो अपनी इकाइयों, अर्थात समाज के प्रत्येक व्यक्ति का सपोर्ट सिस्टम बनने के लिए तैयार हो। मुश्किलों में उसके साथ आकर खड़ा हो। प्राय: सभी समाजों में अमीर गरीब दोनों होते हैं। अच्छा उसी समाज को माना जाता है जहां समर्थ लोग निचले तबके के लोगों की मदद करने के लिए तैयार होते हैं। हिन्दुत्व बचाना है तो दरिद्र नारायण के सिद्धांत को समझना होगा। फोकटिया दोषारोपण से कुछ न होगा।

संपादकीय

बर्बरता के दो चेहरे

कल जब हम मणिपुर के हालात की चर्चा कर रहे थे, तो राजधानी इंफाल की वह घटना सिहरन पैदा कर रही थी, जिसमें दंगाइयों की भीड़ ने एक एंबुलेंस को जला दिया। एंबुलेंस में बैठे एक मां-बेटे और उनकी एक महिला रिश्तेदार की घटनास्थल पर ही जलकर मौत हो गई। अगले ही दिन इंफाल से हजारों किलोमीटर दूर मुंबई से जिस बर्बरता की खबर आई है, वह काफी परेशान करने वाली है। वहां एक अधेड़ पुरुष ने अपनी लिव-इन पार्टनर को न सिर्फ जान से मार दिया, बल्कि एक कटर से उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े करके उनको उबाल दिया। निजी रिश्तों में इस तरह की दरिंदगी भयभीत तो करती ही है, हमारे बहुत सारे विश्वासों की नींव भी हिला देती है।

ये दोनों ही वारदात एकदम अलग-अलग हैं, लेकिन इनमें बहुत सी समान बातें भी हैं। मणिपुर की घटना किसी भी कारण से उपद्रवग्रस्त हो चुके इलाके की है, जहां से आ रही हैवानियत की खबरें हमें कई दिनों से परेशान कर रही हैं। जबकि, मुंबई की घटना बताती है कि जो इलाके उपद्रवग्रस्त नहीं हैं, वहां भी बर्बरता की मानसिकता समान रूप में मौजूद है। मणिपुर में इस समय जो समस्या है, वह राजनीतिक भी है, सामाजिक भी और जातीय भी। नागरिक समाज ऐसी समस्याओं के समाधान बगैर हिंसक और बर्बर हुए खोजते रहे हैं। लोकतांत्रिक समाज में इसके बहुत सारे रास्ते होते हैं। फिर भी, कुछ लोग हैवानियत का रास्ता क्यों चुन रहे हैं? यही सवाल एक अन्य तरह से मुंबई वाली घटना के बारे में भी है। खबरों में बताया जा रहा है कि दोनों लिव-इन पार्टनर के बीच किसी मसले पर तनाव था। निजी संबंधों में तनाव कोई नई चीज नहीं है और इसके समाधान के ढेर सारे रास्ते मौजूद हैं। इसके बावजूद एक पार्टनर अगर हैवानियत वाला रास्ता चुनता है, तो मौजूदा दौर के बहुत सारे सामाजिक मसलों पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है। दोनों ही मामलों में जिनके खिलाफ बर्बरता हुई, वे या तो महिलाएं हैं या बच्चे। और, इन दोनों ही मामलों में जान लेने वाले पुरुष हैं। उपद्रवग्रस्त और युद्धग्रस्त इलाकों में महिलाओं को अक्सर 'सॉफ्ट टारगेट' माना जाता है और निजी संबंधों में भी हिंसा का शिकार वही बनती हैं। दोनों ही तरह से यह समाज की पुरुषवादी सोच और समाज में महिलाओं की भूमिका को बदलने का मामला है। मुंबई की वारदात को लेकर कई और सवाल भी हैं, जिनका जवाब अब शायद ही मिल पाएगा। वह महिला लंबे समय से अपने लिव-इन पार्टनर के साथ रह रही थी, यह मानने का कोई कारण नहीं है कि पहली बार ही दोनों में तनाव हुआ होगा और बात इस हद तक पहुंच गई। यह बात कई शोध में सामने आ चुकी है कि महिलाएं अक्सर संबंध विच्छेद करने के बजाय अपने हिंसक सहयोगी के साथ ही रहना पसंद करती हैं। ये शोध बताते हैं कि ऐसी महिलाओं को कई बार बाहर की अराजकता और समाज के नजरिये के मुकाबले घर का हिंसक माहौल ज्यादा सुरक्षित लगता है। ऐसे हालात को बदलने की जरूरत है। ये छोटे-छोटे बच्चों के दिमाग में हिंसा के बीज डाल रहे हैं। मणिपुर और मुंबई, दोनों ही जगह की वारदात में एक और बात समान है कि दोनों ही जगह इसे अंजाम देने वालों को यह विश्वास था कि पूरी बर्बरता के बावजूद वे बच सकते हैं। ऐसे सभी मामलों में अपराधी को सजा देने और सजा की खबर को वारदात की खबर से बड़ा बनाकर ही ऐसी सोच को हतोत्साहित किया जा सकता है।

" मुंबई की वारदात को लेकर कई और सवाल भी हैं, जिनका जवाब अब शायद ही मिल पाएगा। वह महिला लंबे समय से अपने लिव-इन पार्टनर के साथ रह रही थी, यह मानने का कोई कारण नहीं है कि पहली बार ही दोनों में तनाव हुआ होगा और बात इस हद तक पहुंच गई। यह बात कई शोध में सामने आ चुकी है कि महिलाएं अक्सर संबंध विच्छेद करने के बजाय अपने हिंसक सहयोगी के साथ ही रहना पसंद करती हैं।

रेल दुर्घटनाः जवाबदेही है ही नहीं!

बालासोर ट्रेन हादसे के लिए आखिर कोई तो उत्तरदायी होगा? लेकिन वर्तमान सरकार के तहत उत्तरदायित्व एक अप्रचलित शब्द है। सरकार ने जो किया है, भले के लिए किया होगा- यह इस बात को मान कर चलने का दौर है! ओडिशा के बालासोर में हुई भीषण ट्रेन दुर्घटना की जांच सीबीआई को सौंपने की खबर अगर बहुत से लोगों के गले नहीं उतरी है, तो उसका कारण है। सीबीआई अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी है। तो क्या सरकार को कहीं से इस बात के संकेत मिले हैं कि इस दुर्घटना के पीछे तोड़फोड़ हुई हो सकती है? जबकि रेलवे के सूत्र कह चुके हैं कि हादसा संभवत: सिग्नल सिस्टम की गड़बड़ी से हुआ। इसके अलावा हादसा होने के बाद से गुजरे वर्षों में रेल सुरक्षा की हुई अनदेखी की चर्चा सुर्खियों में आई है। किस तरह सुरक्षा से जुड़े हजारों पद खाली पड़े हैं और कैसे बजट आवंटन में सुरक्षा का मद घटता चला गया है, ये तमाम बातें मीडिया में आई हैँ। ये बातें सीएजी की रिपोर्ट के हवाले से भी कही गई हैँ। विशेषज्ञों ने बताया है कि वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद ध्यान आम रेल सेवा को सुधारने और दुरुस्त करने पर नहीं, बल्कि उच्च आय वर्गों के लिए सुविधाजनक और सुर्खियां बटोरने वाली कुछ हाई स्पीड ट्रेनों पर टिका रहा है। पूर्व यूपीए सरकार के कार्यकाल में रेल सुरक्षा पर अनिल काकोडकर कमेटी बनी थी। उसने विस्तृत रिपोर्ट दी थी और उस समय कहा था कि भारत में रेल यात्रा को पूर्ण सुरक्षित बनाने के लिए एक लाख करोड़ रुपए के बजट की जरूरत होगी। उससे पहले रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए सैम पित्रोदा समिति बनी थी। उसने भी एक विस्तृत खाका पेश किया था। गुजरे नौ वर्षों में इन समितियों की सिफारिशों के बारे में कहीं कुछ नहीं सुना गया। जबकि ट्रेन हादसे बदस्तूर जारी रहे हैं। अब चूंकि पूरी दुनिया में चर्चित हुई दुर्घटना हुई है, तो इन सारे प्रश्नों की तरफ ध्यान गया है। इसके साथ ही जवाबदेही का सवाल उठा है। आखिर जो लगभग तीन सौ जानें गईं और आठ सौ से अधिक घायल हुए, उनके परिजनों और उनकी पीड़ा के लिए कोई तो उत्तरदायी होगा? लेकिन वर्तमान सरकार के तहत उत्तरदायित्व एक अप्रचलित शब्द है। सरकार ने जो किया है, भले के लिए किया होगा- यह इस बात को मान कर चलने का दौर है!

भाजपा कहां कहां बदलेगी अध्यक्ष?

भारतीय जनता पार्टी के तीन शीर्ष नेताओं- अमित शाह, जेपी नड्डा और बीएल संतोष की दो दिन में 10 घंटे से ज्यादा बैठक हुई है। सोमवार की रात को चार घंटे और मंगलवार की सुबह छह घंटे बैठक चली, जिसमें साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा हुई। लेकिन इसके साथ ही संगठन की कमजोरी और ताकत पर भी वस्तुनिष्ठ तरीके से विचार किया गया है। बताया जा रहा है कि राज्यों से मिली फीडबैक के आधार पर पार्टी के शीर्ष नेताओं का मानना है कि कुछ राज्यों में पार्टी के अध्यक्ष पर्याप्त अनुभव वाले या जमीनी पकड़ वाले नहीं हैं। इसलिए उनके भरोसे लोकसभा का चुनाव नहीं लड़ा जा सकता है। ध्यान रहे साल के अंत में पांच राज्यों में चुनाव हैं लेकिन भाजपा की नजर अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव पर है। सो, तैयारी भी 2024 के हिसाब से हो रही है। जानकार सूत्रों के मुताबिक चार राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने की चर्चा है। इसमें कर्नाटक सबसे ऊपर है। नलिन कुमार कतील को विधानसभा चुनाव से पहले ही बदला जाना था। लेकिन किसी वजह से पार्टी फैसला नहीं कर सकी। चुनाव में भाजपा के बुरी तरह से हारने के बाद प्रदेश अध्यक्ष का बदला जाना तय है। लेकिन कर्नाटक का मामला थोड़ा उलझा हुआ है। वहां भाजपा को विधायक दल का नेता भी तय करना है और यह भी देखना है कि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और उनके परिवार को किस तरह से एडजस्ट किया जाए। पार्टी को लिंगायत वोट का ध्यान रखते हुए ओबीसी का भी ध्यान रखना है।

" जहां तक भारतीय पक्ष का सवाल है, तो शी जिनपिंग ने अपने कदमों से उसके लिए निर्णय करना आसान कर दिया। साल 2014 में चुमार में घुसपैठ, 2016 में परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत के लिए बाधा पैदा कर, 2017 में डोकलाम और 2020 में पूर्वी लद्दाख में शी जिनपिंग की कार्रवाइयों ने यह तय कर दिया कि भारत का प्रमुख भू-राजनीतिक विरोध चीन के साथ ही है, और नई दिल्ली अब इस बात को बहुत छिपा नहीं सकती थी।

सबसे अच्छे दौर में भारत-अमेरिका संबंध

प्रशांत झा, हिन्दुस्तान टाइम्स संवाददाता, अमेरिका

आज से पंद्रह साल पहले भारत और अमेरिका ने असैन्य परमाणु समझौते को अंतिम रूप दिया था। यह समझौता सिर्फ परमाणु ऊर्जा के बारे में नहीं था, बल्कि यह द्विपक्षीय रिश्तों की एक बड़ी बाधा को दूर करने और संभावित चीनी आक्रामकता के मद्देनजर नई दिल्ली व वाशिंगटन को रणनीतिक रूप से एक-दूसरे के करीब लाने के लिए था। तब से रक्षा, सुरक्षा और खुफिया सूचनाओं की साझेदारी समेत तमाम क्षेत्रों में दोनों देशों के रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। जिस बात ने जॉर्ज डब्ल्यू बुश को इस कूटनीतिक पूंजी निवेश की खातिर और मनमोहन सिंह को अपनी सरकार तक को दांव पर लगाने के लिए प्रेरित किया, वह अब अपने तार्किक निष्कर्ष पर पहुंच रहा है, और यह 2008 के बरक्स दो अलग-अलग पार्टियों की दो अलग सियासी हस्तियों, जो बाइडन और नरेंद्र मोदी के शासन में हो रहा है। तीन कारक इस बदलाव को मुमकिन बना रहे हैं।

पहला कारक है राजनीतिक स्पष्टता और प्रतिबद्धता। राष्ट्रपति बाइडन ने यह राजनीतिक नजरिया अपनाया है कि भारत एक अहम खिलाड़ी है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी नीति के लिहाज से नई दिल्ली के साथ संबंधों में सुधार बहुत जरूरी है। ठीक है, भारत सहयोगी न बने, पर एक साझेदार के रूप में वह शायद कहीं अधिक प्रभावी हो सकता है। बाइडन प्रशासन ने तय किया है कि वह भारतीय लोकतंत्र के आलोचकों को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के रुख को परिभाषित करने नहीं देगा। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से लेकर विदेश विभाग और पेंटागन तक के अधिकारियों का कहना कि उन्हें ऊपर से स्पष्ट निर्देश है- भारत के साथ कारगर रिश्ते बनाएं, वरना एक नीति-नियंता के शब्दों में, 'हमारे पोते-पोतियों पर चीनियों का राज होगा।' विरोधाभासी रूप से यूक्रेन मसले पर दोनों देशों के बीच के मतभेद ने इस सोच को और पुख्ता ही किया है, क्योंकि वाशिंगटन ने यह महसूस किया है कि शीतयुद्ध के दौरान की उसकी गलत नीतियों ने दशकों तक भारत को रूस के करीब जाने को बाध्य किया।

ऐसे में, द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करके और खेल के नए नियम निर्धारित कर पुरानी गलतियों को दुरुस्त करने का यही क्षण था। राष्ट्रपति बाइडन ने नई दिल्ली पर एक मित्र के तौर पर व्यवस्थित रूप से दीर्घ अवधि के लिए दांव लगाया। प्रवासी भारतीयों का बढ़ता रुतबा भी इसमें मददगार साबित हुआ है। तथ्य यही है कि अमेरिकी राजनीति में भारत कोई बोझ नहीं है, बल्कि दोनों मुख्य पार्टियों के लिए अहमियत रखता है।

जहां तक भारतीय पक्ष का सवाल है, तो शी जिनपिंग ने अपने कदमों से उसके लिए निर्णय करना आसान कर दिया। साल 2014 में चुमार में घुसपैठ, 2016 में परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत के लिए बाधा पैदा कर, 2017 में डोकलाम और 2020 में पूर्वी लद्दाख में शी जिनपिंग की कार्रवाइयों ने यह तय कर दिया कि भारत का प्रमुख भू-राजनीतिक विरोध चीन के साथ ही है, और नई दिल्ली अब इस बात को बहुत छिपा नहीं सकती थी। फिर भारत को अपनी क्षमताओं के विस्तार, चीन के साथ अपने अंतर को पाटने के लिए, सुरक्षा खतरों के प्रबंधन में अमेरिकी पूंजी, प्रौद्योगिकी, खुफिया व राजनयिक समर्थन जरूरी है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा व भविष्य के भागीदार के रूप में वाशिंगटन पर दांव लगाया है। भारतीय राजनीति में भी अमेरिका अब कोई बोझ नहीं है।

दूसरा कारक है, कूटनीतिक जुड़ाव का पैमाना। सिर्फ2023 में भारत व अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, अजीत डोभाल और जेक सुलिवन वाशिंगटन व रियाद में मिले हैं। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन की अक्सर बातचीत होती है और वे नई दिल्ली व हिरोशिमा में मिल चुके हैं। हाल ही में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन आए थे, उनकी अमेरिकी समकक्ष जीना रायमोंडो भी नई दिल्ली का दौरा कर चुकी हैं। भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और अमेरिकी ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन इस साल अब तक दो बार मिल चुकी हैं। इसी हफ्ते अमेरिकी रक्षा मंत्री ने अपना भारत दौरा पूरा किया है। दोनों देशों के जुड़ाव का यह पैमाना उन लोगों के अनुमान से कहीं अधिक गहरे बदलाव की ओर ले जाता है, जो सरकार के बाहर रहकर इसे देखने की कोशिश कर रहे हैं। तीसरा कारक है साझा एजेंडा। क्रिटिकल ऐंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज यानी आईसीईटी के क्षेत्र में पहल दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी में अगला कदम है। इसी ने परमाणु समझौते का मार्ग प्रशस्त किया था। आईसीईटी भारत-अमेरिकी संबंधों को परिभाषित करने वाला ढांचा होगा। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन की यात्रा ने आईसीईटी में निहित रक्षा औद्योगिक रोडमैप के विचार को आगे बढ़ाया है। दरअसल, भारत अपना सैन्य औद्योगिक परिसर विकसित करना चाहता है। उसका यह सपना अमेरिकी पूंजी और तकनीकी हस्तांतरण पर टिका है, तो वहीं भारत को अपने व्यापक रक्षा ढांचे से जोड़ने का अमेरिका का सपना भी तभी साकार होगा, जब वह निर्यात पर नियंत्रण में लचीलेपन और भारत में निवेश करने के लिए अपने निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की ओर बढ़ेगा। दोनों देश अपने 'डिफेंस इनोवेशन इकोसिस्टम' को जोड़ने जा रहे हैं और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक कोष स्थापित करने वाले हैं।

भारत व अमेरिका के कूटनीतिक इतिहास में पहली बार एशिया भर में उनके हितों में एकरूपता दिख रही है। दोनों देश इजरायल की एकता और अब्राहम समझौते की सफलता चाहते हैं। दोनों सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में जारी बदलावों के महत्व को पहचानते हैं। दोनों एक स्थिर ऊर्जा बाजार चाहते हैं।

भारत के बिना हिंद-प्रशांत और क्वाड बेमानी हैं। सार्वजनिक बयान भले अलग-अलग हों, पर न तो नई दिल्ली और न ही वाशिंगटन एक ऐसा एशिया चाहता है, जिसमें चीन मनमानी करे। संकट के वक्त इन दोनों देशों की प्रतिक्रिया क्या होगी, यह इनके रिश्ते को आंकने का शायद सटीक पैमाना नहीं है; तथ्य यह है कि भारत और अमेरिका परेशानी के स्रोत पर सहमत हैं और उस चुनौती से निपटने के लिए वे किस हद तक सहयोग करेंगे, इसकी दूरियां पाट रहे हैं, यही अपने आप में उल्लेखनीय प्रगति है। जिस तरह वाशिंगटन मोदी की यात्रा की तैयारी में जुटा है, उसे देखते हुए कह सकते हैं कि भारत-अमेरिका संबंध अपने अब तक के सबसे अच्छे दौर में प्रवेश करने जा रहा है।

ऐसी शिक्षा, जो रोजगार दे और देश के काम भी आए

देव स्वरूप, पूर्व अतिरिक्त सचिव, यूजीसी

शिक्षा मंत्रालय का एक हालिया अध्ययन बता रहा है कि साल 2012 से 2022 के बीच उच्च माध्यमिक कक्षाओं के लिए हर साल महज 14 फीसदी छात्रों ने कॉमर्स, यानी वाणिज्य विषय चुना। इन दस वर्षों में विज्ञान और कला विषय खासा लोकप्रिय साबित हुए। इन दोनों विषयों को चुनने वाले छात्रों का प्रतिशत 2012 में 31 (विज्ञान व कला, दोनों के लिए) था, जो 2022 में बढ़कर क्रमश: 42 और 40 प्रतिशत हो गया।

सवाल यह है कि आखिर किसी विषय की सार्थकता का पैमाना क्या है? फिलहाल, आकलन का आधार रोजगार है। हमारे तमाम शिक्षा कार्यक्रम रोजगार से जुड़े हुए हैं और जिन विषयों में रोजगार की संभावना ज्यादा होती है, बच्चों का आकर्षण उनकी तरफ अधिक होता है। उदारीकरण के बाद कॉमर्स की तरफ काफी तेजी से रुझान बढ़ा था। चूंकि बैंकिंग, मार्केटिंग, उद्यमशीलता जैसे तमाम क्षेत्रों से यह जुड़ा है और उदारीकरण के बाद इन क्षेत्रों का खासा विस्तार हुआ, इसीलिए कॉमर्स को लाभ मिला। अब इसमें दाखिले की दर स्थिर हो गई है। हालांकि, यह प्रवृत्ति अन्य विषयों में भी दिख रही है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में हजारों इंजीनियरिंग कॉलेजों या कंप्यूटर शिक्षा केंद्रों पर ताले लटक गए हैं। इन दिनों कानून, परफॉर्मिंग आर्ट, मनोविज्ञान जैसे विषय ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

अहम सवाल यह है कि भारत के विकास में हमराह बनने वाली शिक्षा आखिर कैसी होनी चाहिए? निस्संदेह, नई तकनीक व प्रौद्योगिकियों की आमद ने अध्ययन-अध्यापन का विस्तार किया है। अब शिक्षक 'मेंटॉर' बन गए हैं, लिहाजा, संबंधित विधाओं के सफल उद्यमी या व्यक्तित्व से बच्चों का सीधा वास्ता उनको प्रोत्साहित कर सकता है। यूजीसी ने भी विजिटिंग प्रोफेसरों के साथ-साथ पेशेवर लोगों को अकादमिक शिक्षा से जोड़ने की बात कही है। एक वक्त हमारी शिक्षा व्यवस्था बच्चे को सर्वप्रथम बेहतर नागरिक बनाने पर जोर देती थी। संस्थानों की भूमिका विद्यार्थियों के व्यक्तित्व-निर्माण की होती थी। मगर अब रोजगारोन्मुखी होने की वजह से हमें अपनी शिक्षा को कहीं अधिक सार्थक बनाना होगा। इसके लिए, सबसे पहले हमें 'दस से पांच वाली नौकरी' को ही आजीविका मानने के बजाय वैकल्पिक उपायों की तरफ ध्यान देना होगा, और यह तभी हो सकता है, जब पढ़ाई के साथ-साथ दो-तीन अलग-अलग कौशल से बच्चों का परिचय कराया जाए। उनके लिए कृषि ऐसा ही एक वैकल्पिक क्षेत्र हो सकता है, क्योंकि भारत की करीब 60 फीसदी आबादी इस पर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से निर्भर है, फिर भी रोजगार के लिए यह मुफीद नहीं समझी जाती। इसी तरह, उद्यमशीलता भी आजीविका का बेहतर साधन बन सकती है। यूजीसी ने भी 30-35 ऐसे 'स्किल' तय किए हैं, जिन पर यदि शिक्षण संस्थानों में काम हो, तो हम अपनी शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव के गवाह बन सकते हैं।

हमें ऐसी राष्ट्रीय नीति की जरूरत है, जो यह बताए कि किस क्षेत्र में कितने रोजगार की संभावना है और उसके हिसाब से कैसी शिक्षा बच्चों को दी जाए? अन्य देशों में शुरुआती स्तर पर ही यह पता कर लिया जाता है कि बच्चे की रुचि किसमें है। मगर अपने देश में बच्चों की मजबूत या कमजोर पक्ष को पहचानने और उसके अनुसार उन्हें ढालने का कोई तंत्र नहीं है। नतीजतन, आईआईटी पास छात्र भी सिविल सेवा में जाने को लालायित दिखते हैं और चयनित होने वाले नौजवानों में उनकी संख्या अधिक रहती है। इस तरह, जो क्षमता उन्होंने पूर्व में विकसित की होती है, उसको निखारने के बजाय वे 'ब्यूरोक्रेट' बन जाते हैं। तो, हमें सबसे पहले यही तय करना चाहिए कि कौन बच्चा किस रोजगार के लायक है? इससे अनुत्पादक नौजवानों की बढ़ती समस्या से भी हम पार पा सकते हैं।

ऐसे वक्त में, जब नए विषयों की तरफ बच्चों का रुझान बढ़ा है, हमें प्रौद्योगिकी से प्रेरित पठन-पाठन को आत्मसात करना होगा। इसमें कृत्रिम बुद्धिमता, यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद ली जा सकती है। एआई भविष्य का निर्धारक क्षेत्र है। इसकी मदद से हम आने वाले समय में शिक्षण और रोजगार के अवसरों की पड़ताल कर सकते हैं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

हादसों से सबक नहीं लेतीं सरकारें

अजीत द्विवेदी

ओडिशा के बालासोर में भयंकर ट्रेन हादसे के बाद घनघोर शोक और निराशा के समय में भी एक समूह ऐसा है, जो यह समझाने में लगा है कि ट्रेन हादसे पहले भी होते थे और अब प्रति लाख किलोमीटर की यात्रा में हादसों की संख्या पहले से बहुत कम हो गई है। इस तरह के किसी भी आंकड़े पर संशय नहीं किया जा सकता है। लेकिन क्या इससे ऐसा नहीं लगता है कि यह जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का एक मजबूत आधार तैयार करने की कोशिश है? यह भी सही है कि किसी का इस्तीफा लेने से मरने वालों का जीवन नहीं लौटेगा और न यह गारंटी होगी कि आगे ऐसी दुर्घटना न हो फिर भी इस्तीफा इस बात का संकेत होता है कि घटना को गंभीरता से लिया गया है, जवाबदेही तय की गई है और यह सुनिश्चित करने का प्रयास हुआ है कि आगे ऐसी घटना न हो। इस्तीफा न भी हो तब भी किसी आंकड़े के दम पर रेलवे में सब कुछ ठीक होने का नैरेटिव बनवाना अच्छी बात नहीं है।

कायदे से इस बात को स्वीकार करना चाहिए कि रेलवे की सेहत ठीक नहीं है। पिछले कई दशक से रेलवे का इस्तेमाल राजनीति चमकाने के लिए ज्यादा हुआ है। इसका कामकाज गुणवत्तापूर्ण नहीं है। रेलवे की बुनियाद मजबूत करने की बजाय चमक-दमक पर ध्यान दिया गया है। आधारभूत ढांचे के निर्माण की बजाय मौजूद ढांचे पर लोड बढ़ाया गया है। रेलवे ट्रैक की सेहत सुधारने की बजाय जर्जर हो चुके ट्रैक और दशकों पुराने पुलों के ऊपर नई ट्रेनें दौड़ाने की होड़ लगी है। रेलवे का काम निजी कंपनियों को दिया जा रहा है। रिटायर हो रहे कर्मचारियों की जगह ठेके पर लोग रखे जा रहे हैं। मैनुअल काम देखने वालों की संख्या बहुत कम हो गई है और ओवरटाइम बढ़ गया है और ड्राइवर 12 घंटे से ज्यादा काम कर रहे हैं। आधुनिक तकनीक और डिजाइन का इस्तेमाल सिर्फ ट्रेन और कोच बनाने में हो रहा है। रेलवे की स्थापना सेवा के लिए हुई थी, लेकिन ऐसा लग रहा है कि इसका इस्तेमाल मुनाफा कमाने के लिए किया जाने लगा है। ट्रेन किराए से लेकर प्लेटफॉर्म टिकट तक के दाम में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। इसके बावजूद यात्री सेवाएं जस की तस हैं। यात्री सेवा की बजाय रेलवे से अंधाधुंध कोयले और इस्पात की ढुलाई हो रही है। रेलवे का अलग से बजट आना पहले ही बंद हो चुका है और अब इसका एक पूर्णकालिक मंत्री भी नहीं है। सूचना-प्रौद्योगिकी और संचार मंत्रालय संभाल रहे अश्विनी वैष्णव को रेल मंत्रालय भी दिया गया है। रेलवे इतना बड़ा विभाग है कि एक कैबिनेट के साथ कई राज्यमंत्री हों तब इसके साथ न्याय होगा।

हर साल बजट में बताया जाता है कि रेलवे का बजट कितना बढ़ाया गया और उसमें से कितना आधारभूत ढांचे पर खर्च होगा। लेकिन यह आंकड़ों की बाजीगरी है। बारीकी से देखने पर पता चलता है कि आधारभूत ढांचे पर होने वाला खर्च कम होता जा रहा है। भारत के नियंत्रक व महालेखापरीक्षक यानी सीएजी ने अपनी रिपोर्ट में इस तरफ ध्यान दिलाया है। पिछले साल यानी 2022 के दिसंबर में संसद में पेश सीएजी कि रिपोर्ट में बताया गया है कि नया ट्रैक यानी रेल लाइन बिछाने का बजट कम हुआ है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वित्त वर्ष 2017-18 में जो राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष बनाया गया था वह अपना मकसद हासिल करने में विफल रहा। केंद्र सरकार ने पांच साल के लिए एक लाख करोड़ रुपए का यह कोष बनाया था, जिसमें हर साल 20 हजार रुपए आवंटित किए जाने थे। इसमें से 15 हजार करोड़ रुपए केंद्र सरकार देती और पांच हजार करोड़ रुपए रेलवे के आंतरिक स्रोत से आना था। लेकिन चार साल में यानी वित्त वर्ष 2020-21 तक रेलवे अपने आंतरिक स्रोत से सिर्फ 4,225 करोड़ रुपए ही जुटा सका।

एक तथ्य यह भी है कि ज्यादातर दुर्घटनाएं ट्रेन के पटरियों से उतरने की वजह से हो रही हैं। पिछले पांच साल में जो ट्रेन दुर्घटनाएं हुई हैं उनमें से चार में से तीन दुर्घटनाएं ट्रेन के पटरी से उतरने की वजह से हुई है। ट्रेन के पटरी से उतरने का पहला और मुख्य कारण पटरियों की खराब दशा है। इसका यह भी मतलब है कि पटरियों के रख-रखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। देश की ज्यादातर पटरियां पुरानी हो गई हैं और कई जगह तो अब भी अंग्रेजों के जमाने में बने पुल से काम चल रहा है। ट्रेनों की औसत स्पीड बढ़ाई जा रही है या हाई स्पीड वाली ट्रेनों को लगातार हरी झंडी दिखाया जा रहा है। लेकिन स्पीड बढ़ाने से पहले पटरियों की सेहत सुधारना जरूरी है। भारत में बुलेट ट्रेन चालू होनी है, जिसके लिए पटरी बिछाने पर प्रति किलोमीटर साढ़े तीन सौ करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं, जबकि सेमी हाईस्पीड ट्रेन की पटरी बिछाने पर 35 करोड़ रुपए प्रति किलोमीटर खर्च है। भारत में यात्री ट्रेनों की औसत स्पीड 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की है, जबकि चीन-जापान में दो से ढाई सौ किलोमीटर है।

बहरहाल, दिसंबर 2022 में संसद में पेश सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2017-18 से 2020-21 के बीच 69 फीसदी दुर्घटना ट्रेन के पटरी से उतरने से हुई है। इस दौरान कुल मिला कर 2,017 दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें से 1,392 पटरी से उतरे के कारण हुई हैं। चूंकि सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं ट्रेनों के बेपटरी होने से हुए थे तो सीएजी ऑडिट में इसी पर फोकस किया गया। सो, सीएजी ने 1,129 दुर्घटनाओं का अध्ययन किया। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक 289 दर्घटनाएं ट्रैक रिन्यूल यानी पटरियों को नया बनाने या बेहतर करने से जुड़ी हैं। सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक पटरी के रख-रखाव में कमी से 167 दुर्घटनाएं हुईं। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि रेलवे लाइन के इंस्पेक्शन का काम बहुत लापरवाही से हुआ। इसमें 30 फीसदी से लेकर सौ फीसदी तक की कमी देखी गई। यानी कई ट्रैक ऐसे थे, जहां एक बार भी इंस्पेक्शन नहीं किया गया। सीएजी की रिपोर्ट के मुताबिक नई रेल लाइन बिछाने का का बजट 2018-19 में 9,607.65 करोड़ था, जो 2019-20 में घट कर 7,417 करोड़ हो गया। हैरानी की बात है कि वह रकम भी पूरी खर्च नहीं हुई।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

भेंट मुलाकात में पहुंचे संसदीय सचिव सुनी नागरिकों की समस्याएं

महासमुंद। संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने शहर के वार्ड नं सात व आठ में नागरिकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण किया। इस दौरान नागरिकों ने अपनी मांगों की ओर संसदीय सचिव चंद्राकर का ध्यानाकर्षित कराया। जिस पर संसदीय सचिव चंद्राकर ने उचित पहल करने का आश्वासन दिया। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान संसदीय सचिव व विधायक श्री चंद्राकर शहर के वार्ड सात व आठ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने बैठक लेकर नागरिकों की समस्याओं से रूबरू हुए। संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करते हुए उनकी मांगों पर उचित पहल करने की बात कही। इस दौरान संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि शहर के चहुंमुखी विकास के लिए भूपेश सरकार कटिबद्ध है। शहरी क्षेत्रों में भी प्राथमिकता के साथ विकास कार्य कराए जा रहे हैं। नागरिकों की मांग के आधार पर विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत कराई जा रही है संसदीय सचिव श्री चंद्राकर ने कहा कि शहर में विकास कार्यों के लिए बजट की कोई कमी नहीं आएगी। शहर के चहुंमुखी विकास के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। शासकीय आत्मानंद स्कूल के माध्यम से अंग्रेजी शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव के लिए नियंत्रण कक्ष स्थापित

गरियाबंद। आगामी मानसून 2023 को देखते हुए बाढ़ एवं अतिवृष्टि से बचाव हेतु संयुक्त जिला कार्यालय गरियाबंद के कक्ष क्रमांक 30 में जिला स्तर पर बाढ़ आपदा प्रबंधन/नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष में समय-सारिणी के अनुसार अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी संबंधी आदेश कलेक्टर कार्यालय से जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के तहत माह जून से अक्टूबर तक प्रतिमाह 10-10 दिवस के लिए तीन पालियों में कर्मचारी ड्यूटी करेंगे। कंट्रोल रूम प्रभारी सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख श्री भगवत राम चन्द्रवंशी को बनाया गया है। जारी आदेशानुसार 1 तारीख से 10 तारीख तक प्रात: 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक श्री महेश ठाकुर, सहायक ग्रेड-03 शासकीय हाईस्कूल दर्रीपारा, सुनील कंवर, भृत्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्याल और नगर सैनिक क्रमांक 46 सेवन साहू की ड्यूटी रहेगी। रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक केशव साहू सहायक ग्रेड-03 शासकीय हाई स्कूल चिखली, मनीष कुमार नागेश भृत्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और नगर सैनिक क्रमांक-284 श्री चोवा राम ध्रुव की ड्यूटी लगाई गई हैं। समय-सारिणी के अनुसार प्रतिमाह 11 तारीख से 20 तारीख तक तथा 21 तारीख से 31 तारीख तक अलग-अलग पालियों में कंट्रोल रूम ड्यूटी रोटेशन के आधार पर निर्धारित की गई है।

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा चेंबर भवन में प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत लोन मेले का आयोजन

प्रदेश स्तर पर सभी इकाईयों में मुद्रा लोन मेला लगाया जायेगा- पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा चेंबर भवन में शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत लोन मेले का आयोजन किया गया। लोन मेले में व्यपारियों एवं हितग्राहियों को प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का लाभ देने चेंबर टेक्नीकल टीम के साथ ही विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंक भी शामिल हुए । लोन मेले में व्यापारियों को इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने की प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में विस्तार से बताया गया ।

प्रदेश चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि आज चेंबर भवन में प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत लोन मेले का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न व्यापारिक संगठनो के प्रमुखों सहित व्यापारीगण शामिल हुए और इस योजना के बारे में हितग्राहियों ने विस्तार से जाना तथा लाभ उठाया । मुद्रा लोन मेला प्रदेश स्तर पर सभी इकाईयों में लगाया जायेगा। इस योजना के तहत 50 हजार से 10 लाख तक लोन, बिना गारंटी (पात्रता अनुरूप), आकर्षक ब्याज दर एवं अन्य लोन सम्बन्धी समस्याओं का समाधान किया जाना इत्यादि शामिल हैं। मेले में 9 राष्ट्रीयकृत बैंकों ने अपने स्टॉल लगाये तथा लगभग 150 लाभार्थी पहुंचे। कई व्यापारियों के लोन स्वीकृत हुए।

श्री पारवानी जी ने आगे कहा कि चेंबर व्यवसायी एवं व्यापारियों से सम्बंधित दायित्वों को भली भांति समझता है तथा पूर्ण रूप से निभाता है। इसी कड़ी में आज लोन मेला आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य उन व्यापारियों को लाभ पहुँचाना है जो अपने व्यवसाय के विकास में वित्तीय परेशानियों का सामना कर रहे हैं। प्रत्येक व्यवसायी एवं उनके व्यवसाय का विकास, आर्थिक और सामाजिक रूप से अत्यंत आवश्यक है। श्री पारवानी ने प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस योजना के द्वारा देश-प्रदेश के सभी नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह योजना विशेष रूप से छोटे व्यवसायों और स्वयंरोजगार के लिए बहुत उपयोगी है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (च्डडल) के तहत माइक्रो यूनिट्स डिवेलपमेंट एंड रिफाइनेंस

एजेंसी (डन्क्।) लोन स्कीम भारत सरकार की एक पहल है जो व्यक्तियों, ैडम् और डैडम् को लोन प्रदान करती है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना के तहत 3 लोन योजनाओं की सुविधा दी जाती हैं जिनका नाम शिशु, किशोर और तरुण है। मुद्रा लोन योजना के तहत अधिकतम 10 लाख रु. तक की लोन राशि प्रदान की जाती है। मुद्रा लोन लेने के लिए आवेदक को बैंकों या लोन संस्थानों को कोई सिक्योरिटी जमा कराने की जरूरत नहीं होती है। इस लोन का भुगतान 5 साल तक किया जा सकता है। यदि आप अपना छोटा व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं या अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहते हैं, तो इस योजना के अंतर्गत आवेदन करके लोन प्राप्त कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना से पूरे प्रदेश के व्यापारियों को इसका लाभ मिल सके इसके लिए चेंबर द्वारा चेंबर टेक्नीकल टीम बनाया गया है जिसमें तकनीकी एवं बैंकिंग विशेषज्ञ एवं कार्यक्रम संयोजक श्री मुकेश मोटवानी, हेल्प डेस्क से श्री अमित अग्रवाल तथा दिलीप इसरानी हैं जिनसे संपर्क कर कोई भी व्यापारी अपने लोन सम्बन्धी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम में टेक्नीकल टीम तथा उपस्थित राष्ट्रीयकृत बैंकों के प्रमुखों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन चेंबर प्रदेश महामंत्री अजय भसीन द्वारा किया गया। मुद्रा लोन मेला में चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कार्यकारी अध्यक्ष-राजेन्द्र जग्गी, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, सलाहकार सुरिन्दर सिंह, उपाध्यक्ष-टी.श्रीनिवास रेड्डी, नरेन्द्र हरचंदानी, जय नानवानी, भरत जैन,कमल लहेजा, दिलीप केवलानी, मंत्री-नीलेश मंधड़ा, राकेश (जनक)वाधवानी, शंकर सचदेव, जयंत मोहता, दिलीप इसरानी, जयराम कुकरेजा, विक्रांत राठौर, आलोक शर्मा, अजीत द्विवेदी, युवा चेम्बर- विपुल पटेल, जयेश पटेल,वैभव सिंहदेव,राहुल पटेल, हिमांशु वर्मा, जयराज सहित रायपुर के प्रमुख एसोसियेशन के साथ ही बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिन्द्रा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, आईडीबीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के अधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

चेंदरू मंडावी "द टाइगर बॉय" की प्रतिमा का उद्योग मंत्री लखमा ने किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने नारायणपुर जिले के प्रवास के दौरान टाइगर बॉय के नाम से प्रसिद्ध चेंदरू मंडावी की प्रतिमा का अनावरण जिला मुख्यालय नारायणपुर के नया बस स्टैण्ड चौक एवं ग्राम पंचायत गढ़बेंगाल में किया। उन्होंने इस मौके पर गढ़बेंगाल स्थित पार्क का निरीक्षण भी किया। उन्होंने कहा कि यहां बच्चो के खेलने के लिए सुविधाएं उपलब्ध करायी गई है।

उल्लेखनीय है कि टाइगर बॉय के नाम से प्रसिद्ध चेंदरू मंडावी का जन्म नारायणपुर जिले के ग्राम गढ़बेंगाल में हुआ था। उनकी दोस्ती बाघ (टेंबु) से होने के कारण टाइगर बॉय के नाम से प्रसिद्ध था।

चेंदरू और बाघ की दोस्ती पर बनी फिल्म ''द जंगल सागा'' को 1997 में ऑस्कर अवार्ड प्राप्त हुआ। स्वीडन के फिल्म निर्देशक अरने सक्सहार्फ द्वारा बनाई गई इस फिल्म से चेंदरू मंडावी की ख्याति पूरे विश्व में फैल गई। चेंदरू स्वीडन में भी एक वर्ष रहे। अपने जीवन के अंतिम समय में वे अपने गांव में ही रहे, जहां 78 वर्ष की आयु में 18 सितंबर 2013 को उनका निधन हुआ। चेंदरू मंडावी की प्रतिमा का अनावरण के अवसर पर छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड के अध्यक्ष एवं नारायणपुर विधानसभा के विधायक श्री चंदन कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती श्यामबती नेताम सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव सहित अधिकारी, कर्मचारी और चेंदरू के परिवारजन एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

महिलाओं के मन भाया मिंगाचल 'रीपा'

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ विकासखण्ड की ग्राम पंचायत गदामली के आश्रित ग्राम मिनगाचल में छतीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क अर्थात रीपा वहां कार्य कर रही स्व सहायता समूह की महिलाओं के मन को भा रहा है।

महज दो माह के अल्प अंतराल में इन महिलाओं ने प्राकृतिक गोबर पेंट निर्माण से 2 लाख रूपये शुद्ध मुनाफे की कमाई की है। वहीं कोसा धागा, मल्टीग्रेन दलिया, सेनेटरी पैड नेपकिन बनाने का भी कार्य कर रही हैं। आजीविकामूलक गतिविधियो से जुड़कर ये महिलाएं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं।

स्व सहायता समूह की अध्यक्ष ललिता ने बताया कि स्व सहायता समूह द्वारा कुल 6489 लीटर पेंट बनाया गया है। वर्तमान में गोबर पेंट एवं इमलसन का विक्रय से कुल 6 लाख से अधिक रूपये की राषि प्राप्त हुई है। गोबर पेंट बनाने हेतु आवश्यक कच्चा माल 4 लाख रूपये का भुगतान करने के बाद उन्हें इस कार्य से 2 लाख रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किये हैं।

इस योजना से जुड़कर हम महिलाएं बहुत खुश हैं। समूह की महिलाएं प्रतिदिन सुबह काम पर आ जाती है और खुशी- खुशी काम करती हैं। इसके अलावा रीपा स्थल पर कोसा धागा मल्टीग्रेन दलिया सेनेटरी पैड नेपकिन गतिविधियां मूख्य रूप से चल रही है। रीपा में उत्पादक पदार्थ को मुख्य बाजार स्थानीय मार्केट एवं शासकीय विभागों में विपणन किया जा रहा हैं। यह आमदनी इन परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं जीवन स्तर सुधारने के बहु-आयामी मौके प्रदान कर रही है।

दिव्यांगजनों हेतु चिन्हांकन शिविर का हुआ आयोजन, 176 दिव्यांगों ने कराया पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोण्डागांव। कोण्डागांव जिले अंतर्गत सभी विकासखण्डों में 07 से 22 जून के मध्य दिव्यांगजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण सह चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 07 जून को काटागांव पंचायत भवन एवं 08 जून पंचायत भवन बीजापुर में चिन्हांक शिविर का आयोजन किया गया। इसके तहत काटागांव शिविर में 239 दिव्यांगजनों द्वारा रजिस्ट्रेशन कराया गया।

जिसमें 15 के लिए आधार कार्ड निर्माण, 01 उभयलिंगी चिन्हांकन, 99 दिव्यांगों हेतु दिव्यांगता प्रमाण पत्र का निर्माण, 08 यूडीआईडी हेतु आवेदन, 43 राशन कार्ड हेतु आवेदन एवं 51 सहायक उपकरण प्रदाय हेतु आवेदन प्राप्त हुए। वहीं बीजापुर में आयोजित चिन्हांकन शिविर में 176 दिव्यांगजनों द्वारा पंजीयन कराया गया।

जिसमें 41 राशन कार्ड हेतु आवेदन, 21 आधार कार्ड निर्माण हेतु आवेदन, सहायक उपकरण हेतु 28 आवेदन सहित 147 दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों पर के अनुसार समाजकल्याण विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है।

इस संबंध में उपसंचालक समाजकल्याण ललिता लकड़ा ने बताया कि कोण्डागांव जिले में सभी जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों के क्षेत्रान्तर्गत निवासरत 21 प्रकार के दिव्यांगता के दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिन्हांकन हेतु कलेक्टर दीपक सोनी के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत दिव्यांगों के लिए 06 प्रकार के कार्यों का सम्पादन किया जायेगा। जिसके तहत यूडीआईडी कार्ड के पंजीयन, दिव्यांगजनों हेतु पृथक से राशन कार्ड बनाने हेतु पंजीयन, दिव्यांगजनों के आधार कार्ड बनाने हेतु (जिनका आधार कार्ड नहीं बना है।), 17 से अधिक आयु वाले दिव्यांगजनों को मतदाता सूची में नाम जोड़ने हेतु चिन्हांकन, दिव्यांगजनों को उपकरण प्रदान करने हेतु चिन्हांकन, तृतीय लिंग के व्यक्तियों हेतु पहचान पत्र जारी करने हेतु पंजीयन का कार्य किया जायेगा।

जिसके लिए दिव्यांगजनों को शिविर में आधार कार्ड, नि:शक्तता प्रमाण पत्र एवं एक पासपोर्ट साईज फोटो के साथ उपस्थित होना होगा। इस शिविर में दिव्यांगजनों को सुरक्षित लाने एवं वापस पहुंचाने की भी व्यवस्था की जा रही है। इस हेतु जनपद पंचायत बड़ेराजपुर में 09 जून को ग्राम पंचायत भवन बाड़ागांव, 12 जून को ग्राम पंचायत भवन बालेंगा, जनपद पंचायत केशकाल में 13 जून को ग्राम पंचायत भवन बेड़मा, 14 जून को ग्राम पंचायत भवन धनोरा, जनपद पंचायत फरसगांव में 15 जून को ग्राम पंचायत भवन जुगानीकलार, 16 जून को ग्राम पंचायत भवन उरन्दाबेड़ा, जनपद पंचायत कोण्डागांव अंतर्गत 19 जून को ग्राम पंचायत भवन बनियागांव, 22 जून को ग्राम पंचायत भवन बयानार में शिविर लगाये जायेंगे।

समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को ई-पेमेंट करने के दिये निर्देश

गरियाबंद। जिला कोषालय अधिकारी श्री बी.के. तिवारी ने जिले के समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों को ई-पेमेंट से किये जाने वाले भुगतान के संबंध में पत्र प्रेषित कर कहा है कि संचालनालय कोष लेखा एवं पेंशन नवा रायपुर द्वारा जारी आदेश के परिपालन में ई-पेमेंट हेतु ई-बिल सॉफ्टवेयर में देयक तैयार करने के लिए व्यवस्था की गई है, जिसका पालन समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को करना अनिवार्य किया गया है। कोषालय अधिकारी तिवारी ने बताया कि अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों के पेंशन, फार्म-40 के अंतर्गत प्रावधान किया गया है।

BIG BRAND
Premium Store
30% Off
70001 78467
70008 73376
Near KPS school ,
Nehru Nagar ,Bhilai

ऊं साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

रीपा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिल रही मजबूती

आरओ वाटर, चिक्की, पीनट, मिक्चर व आर्टिफिशियल ज्वेलरी बनाने का काम शुरू

राजस्थान की कम्पनी ने सामग्रियों की गुणवत्ता को सराहा और एमओयू में रूचि दिखाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती की ओर अग्रसर हैं। रीपा के तहत विभिन्न आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं और युवाओं को आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने और ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार व स्व-रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने मुंगेली जिले के प्रत्येक विकासखंड के दो-दो रीपा का निर्माण किया गया है। जिसका अब अच्छा प्रतिसाद देखने को मिल रहा है।

रीपा द्वारा उत्पादित सामग्रियों का क्रय करने अब अन्य राज्य के निजी कम्पनी भी रूचि दिखा रहे हैं। बता दें कि पथरिया विकासखंड के ग्राम धरदेई में शासन की महत्वाकांक्षी योजना के तहत रीपा का निर्माण किया गया है। जहां विष्णु बहुद्देशीय सहकारी समिति द्वारा आर. ओ. वाटर, चिक्की, पीनट एवं मिक्चर व आर्टिफिशियल ज्वेलरी का उत्पादन कार्य शुरू किया गया है। जिसका विगत दिनों राजस्थान की स्वीट्स कम्पनी की शाखा बिलासपुर की टीम ने अवलोकन किया और सामग्रियों की गुणवत्ता देखकर सराहना की। साथ ही सामग्रियों का क्रय व प्रशिक्षण हेतु ओएमयू करने में रूचि भी दिखाई। ग्राम धरदेई के रीपा में कार्यरत समूह की अध्यक्ष मधु बरगाह ने बताया कि नगर पंचायत सरगांव में 25 मार्च को आयोजित ''भरोसे का सम्मेलन'' कार्यक्रम में हमने 230 लीटर आरओ वाटर की बिक्री 3600 रूपए में की थी। अब तक रीपा में 4800 लीटर आर ओ वाटर का उत्पादन तथा 3200 लीटर आर. ओ. वाटर की बिक्री की जा चकी है। उन्होंने बताया कि उनके समूह द्वारा रीपा में किए जा रहे विभिन्न आजीविकामूलक गतिविधियों से अब तक 41 हजार 775 रूपए की आमदनी हुई है। इससे सभी महिलाएं काफी उत्साहित हैं। रीपा परिसर में सामुदायिक बाड़ी में विभिन्न प्रकार की सब्जी का उत्पादन एवं विक्रय किया जा रहा है।

गौठान में संचालित आयमूलक गतिविधियों से महिलाएं हो रही हैं आत्मनिर्भर

महिलाओं ने वर्मी कम्पोस्ट विक्रय से कमाएं 5 लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना ने लोगों के जीवन में बदलाव लाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित हो रही है। इस योजना ने ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली लाने का काम किया है। लोगों को अतिरिक्त आय का साधन मिला और ग्रामीण महिलाओं को भी स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। गरियाबंद जिले के ग्राम भेंड्री में गोधन न्याय योजना के तहत नियमित गोबर खरीदी हो रही है और गौठान में कार्यरत रानी दुर्गावती स्व-सहायता समूह क्रय गोबर से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कर रहीं है।

समूह की सभी 15 सदस्य नियमित रूप से गौठान आकर वर्मी कम्पोस्ट बनाने का काम कर रही हैं। अब तक समूह ने 01 हजार 252 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट विक्रय कर लगभग 5 लाख रुपए की आमदनी हासिल की है।

समूह के सदस्यों ने बताया कि गौठान बनने से हमें गांव में ही रोजगार और अतिरिक्त आय का जरिया मिला है। समूह की महिलाओं ने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का धन्यवाद भी दिया है।

महिलाओं ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार नरवा, गरवा, घुरवा और बाड़ी कार्यक्रम और गोधन न्याय योजना ग्रामीणों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो रही है। गांव में रह रहे लोगों के लिए यह योजनाएं आजीविका को बेहतर बनाने में मददगार साबित हुई है। गौठानों में कई आजीविका मूलक गतिविधियां संचालित होने से लोगों को गौठानों में रोजगार का नया अवसर मिला है।

खास खबर...

मेडिकल कॉलेज में बीएएसएलपी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रारंभ

रायपुर (ए)। पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर के नाक, कान व गला रोग विभाग (ईएनटी) के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) पाठ्यक्रम 2023 में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र, प्रवेश संबंधी नियम, आवेदन प्रारूप एवं अन्य जानकारी हेतु वेबसाइट https://raipurbaslp.org का अवलोकन कर सकते हैं। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा सामान्य डाक द्वारा 30 जून तक तथा विलंब शुल्क के साथ 3 जुलाई तक कक्ष क्रमांक 244 सेकेंड फ्लोर, डिपार्टमेंट ऑफ ऑडियोलॉजी एंड स्पीच थेरेपी यूनिट डॉ. बी. आर. अम्बेडकर हॉस्पिटल रायपुर के पते पर पहुंच जाना चाहिए। प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होकर जमा किये जाने वाले आवेदन स्वीकार्य नहीं किये जावेंगे। प्रवेश से सम्बन्धित अन्य जानकारी के लिए दूरभाष क्रमांक 07712890137 पर कार्यालयीन समय पर सम्पर्क किया जा सकता है।

एनएसयूआई ने किया एमिटी यूनिवर्सिटी का घेराव

रायपुर (ए)। एमिटी विश्विद्यालय में छात्र-छात्राओ की लगातार समस्या को देखते हुए एनएसयूआई ने एमिटी विश्विद्यालय में घेराव किया ज़िला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने बताया की एमिटी विश्विद्यालय लगातार अपने तानाशाही रवैये से बाज नहीं आ रही है। एमिटी विश्विद्यालय निर्धारित समयावधि के एक माह पश्चात् शुल्क अदा करने पर विश्विद्यालय द्वारा 15 हजार रुपए विलंब शुल्क के तौर पर लिया जाता है। उन्होंने बताया कि एमिटी विश्विद्यालय द्वारा टेक्निकल कोर्स को बगैर एआईसीटीई के मान्यता के संचालित कर रहे है जो चिंता का विषय है। आगामी सेमेस्टर परीक्षा होने को है, ऐसे में जो छात्र हॉस्टल के मेस की फैसिलिटी नहीं लिए है उनसे विश्विद्यालय प्रशासन द्वारा जबरन वसूली की जा रही है। एनएसयूआई ने जल्द ही उग्र प्रदर्शन की जानकारी दी है। प्रदर्शन में मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव निखिल वंजारी, प्रदेश सचिव विशाल कुकरेजा, दिव्यांश श्रीवास्तव, प्रशांत चंद्राकर, संयम सिंह, संदीप विश्वकर्मा, अंकित शर्मा, आलोक राजपूत, रूपेन्द्र, आदि झा, कृश, भूपेन्द्र साहू के साथ साथ सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

छात्रावास-आश्रमों में बच्चों को सर्वोच्च प्राथमिकता से उपलब्ध कराए अच्छी सुविधाएं

छात्रावास-आश्रमों के सुव्यवस्थित संचालन हेतु मास्टर ट्रेनर्स का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा प्रदेश में संचालित छात्रावास एवं आश्रमों के अधीक्षकों के लिए ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा रायपुर तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 10 जून तक दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण छात्रावास-आश्रमों के सुचारू संचालन के लिए दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम चरण में आज 56 छात्रावास अधीक्षक एवं 14 सहायक संचालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में विभाग द्वारा प्रदेश में 3294 छात्रावास-आश्रम संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 2774 अनुसूचित जनजाति, 483 अनुसूचित जाति एवं 37 अन्य पिछड़ा वर्ग के है। प्री-मैट्रिक छात्रावास-आश्रमों में प्रवेशित छात्र-छात्राओं को वर्तमान में 1000 रूपए प्रतिमाह की दर से शिष्यवृत्ति प्रदान की जा रही है। सरकार की घोषणा के अनुसार इस वित्तीय वर्ष से इस शिष्यवृत्ति को बढ़ाकर 1500 रूपए प्रतिमाह किए जाने का बजट प्रावधान किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को सम्बोधित करते हुए अपर संचालक जितेन्द्र गुप्ता ने कार्यशाला का महत्व बताते हुए कहा कि माता-पिता बहुत ही विश्वास के साथ अपने बच्चों को छात्रावास, आश्रमों में प्रवेश करवाते हैं, अत: छात्रावास अधीक्षकों को उन्हें बेहतर अनुशासन के साथ-साथ सभी आधारभूत सुविधाएं पूरी कर्तव्यनिष्ठता से उपलब्ध करवानी चाहिए। बच्चों में स्वच्छता की आदतें विकसित करना, संस्था में साफ-सुथरा रसोई घर, पौष्टिक भोजन, शौचालय की साफ-सफाई, संस्था में बिजली-पानी का मितव्ययी उपयोग आदि पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके अलावा संस्था में उपलब्ध कैश बुक, उपस्थिति पंजी सहित अन्य सभी अभिलेखों का उचित संधारण किया जाना चाहिए। संयुक्त संचालक जीआर मरकाम द्वारा भी अधीक्षकों द्वारा व्यक्त की गई समस्याओं और शंकाओं के समाधान हेतु उचित मार्गदर्शन दिया गया।

इसके अलावा कार्यशाला में अपर संचालक आरएस भोई द्वारा छात्रावास-आश्रमों में नवाचार, आदर्श छात्रावास-आश्रमों के निर्माण विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। एनआईसी के सीनियर प्रोग्रामर सौरभ वर्मा, द्वारा ऑनलाईन शिष्यवृत्ति एवं ऑनलाईन छात्रावास निरीक्षण पोर्टल पर जानकारी दी गई। इसके साथ ही अधीक्षक लखन लाल वारते द्वारा छात्रावास आश्रम नियम, अधीक्षकों के दायित्व एवं अधीनस्थ कर्मचारियों की व्यवस्था एवं स्वच्छ छात्रावास-आश्रम परिसर, छात्रावास अध्ययन-अध्यापन गतिविधियों में वृद्धि के संबंध में बताया गया। प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरोना कांकेर रमेश कुमार निषाद द्वारा छात्रावास-आश्रमों के अभिलेखों का संधारण और अधीक्षिका कन्या आश्रम इंदौरी जिला कबीरधाम चम्पा देवी वारते द्वारा कन्या छात्रावास-आश्रमों के संदर्भ में प्रबंधन, निगरानी समिति का गठन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया।

अब की बार 75 पार, 2023 में बनेगी कांग्रेस की सरकार: मरकाम

रायपुर (ए)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि संभागीय सम्मेलनो से कांग्रेस की मजबूत जमीन तैयार हो रही है। अभी तक हमोर तीन संभागीय सम्मेलन बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग संभाग के हो चुके है। रायपुर और सरगुजा संभाग के बाद कांग्रेस का विधानसभावार प्रशिक्षण और संकल्प शिविर होगा। 2023 के विधानसभा चुनाव में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी। आने वाले चुनाव में कांग्रेस सरकार के काम और जनकल्याणकारी योजनायें कांग्रेस सरकार का ब्रह्मास्त्र होगी। भाजपा के पास कांग्रेस का मुकाबला करने के लिये कोई मुद्दा नहीं है। भाजपा हवाहवाई और काल्पनिक मुद्दों पर प्रदेश में राजनीति करना चाह रही जिसके कारण वह जनता से और दूर होते जा रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाने के बाद कांग्रेस के प्रति जनता का भरोसा और बढ़ते गया, 5 उपचुनाव, नगरीय निकाय चुनाव, पंचायत चुनावों में जनता ने भाजपा को नकार दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं में हताशा है, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। पीसीसी चीफ ने कहा कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस के पास बताने के लिये अपने सरकार के गौरवशाली जनहित के काम है। हमारी सरकार ने अपने जन घोषणा पत्र के 95 प्रतिशत वायदों को पूरा किया है। छत्तीसगढ़ में भाजपा मुद्दविहीन है। इसके विपरीत कांग्रेस के पास अपनी सरकार के साढ़े चार सालों के काम की लंबी फेहरिस्त है। 400 यूनिट तक बिजली बिल आधा किया। स्वामी आत्मानंद स्कूल, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी ग्रामीण कृषि मजदूर न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, दाई दीदी क्लिनिक, हाट बाजार क्लिनिक, मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सुविधा योजनाओं से प्रदेश के आम आदमी का भरोसा कांग्रेस के प्रति बढ़ा है। मोहन मरकाम ने कहा कि तेंदूपत्ता का मानक दर 2500 रु से बढ़ाकर 4000 रु प्रति बोरा किया गया, 65 वनोपज की समर्थन मूल्य में खरीदी की गई, चरणपादुका खरीदने नगद राशि दी गई, बस्तर में मक्का प्रोसेसिंग प्लांट लगाया गया। 24827 व्यक्तिगत 20,000 से अधिक सामुदायिक व 2200 वन संसाधन पट्टे वितरित किए गए, 16 लाख से अधिक हेक्टर भूमि आदिवासी वर्ग को वितरित किया गया है।

सिजोफ्रेनिया के बढ़ते रोगियों को समय पर उपचार की आवश्यकता

एम्स में मैग्नेटिक तरंगों साइकोथैरेपी, काउंसलिंग से किया जा रहा इलाज

रायपुर (ए)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मनोरोग विभाग द्वारा सिजोफ्रेनियो को लेकर सतत जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। विभाग में बढ़ते सिजोफ्रेनिया रोगियों की संख्या को देखते हुए रोगियों के उपचार और पुनर्वास की सभी सुविधाएं भी विभाग में प्रदान की जा रही हैं। सिजोफ्रेनिया पर विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित डॉ. भरत वातवानी ने सिजोफ्रेनिया रोग और उसके निदान के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उनका कहना था कि यदि समय पर सिजोफ्रेनिया की पहचान कर ली जाए तो इसका पूर्ण उपचार संभव है।

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर का कहना है कि सिजोफ्रेनिया के संपूर्ण उपचार की सुविधा विभाग में उपलब्ध है। आवश्यकता इस बीमारी की समय पर पहचान के लिए सघन जागरुकता अभियान चलाने की है। उन्होंने बताया कि विभाग में रोगियों के लिए मैग्नेटिक तरंगों से इलाज, दवाइयां, साइकोथैरेपी और काउंसलिंग सहित सभी सुविधाएं हैं।

विभाग के डॉ. अजय कुमार के अनुसार प्रति 100 व्यक्तियों में एक को सिजोफ्रेनिया होने की संभावना होती है। विभाग में इसके रोगी निरंतर बढ़ रहे हैं। विभाग की ओपीडी में आने वाले 70 रोगियों में से औसत 15 रोगी सिजोफ्रेनिया के होते हैं जिसमें से एक या दो को तुरंत एडमिट करने की आवश्यकता होती है। यह एक प्रकार का मानसिक रोग है जिसमें व्यक्ति वास्तविकता का सही बोध नहीं कर पाता, तरह-तरह के भ्रम, शक, भय, विचित्र अनुभव, अव्यवस्थित सोच, समाज से दूरी, उदासीनता, स्वयं की देखभाल में कमी, भावनाओं को व्यक्त न कर पाना और क्रियाशीलता में कमी इसके प्रमुख लक्षण है।

डॉ. अजय का कहना है कि यह बीमारी युवाओं और किशोरों को होने की संभावना अधिक होती है। मस्तिष्क में रासायनिक असंतुलन इसकी वजह होता है। आधुनिक चिकित्सा की मदद से इसका उपचार किया जा सकता है। इसके लिए रोगी को प्रारंभ में ही पहचान कर उपचार करने की आवश्यकता होती है। संगोष्ठी में अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल और डॉ. एली महापात्रा ने भी भाग लिया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेंडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

ऐसे दूर भागेगी जंक फूड की क्रेविंग, वजन भी होगा कम

दिनभर में न जाने हमारा क्या-क्या खाने का मन करता है। कभी मीठा खाने का मन करता है तो कभी फ्रेंच फ्राइज। युवा तो रोज सॉफ्ट ड्रिंक भी पीते हैं और इस बात को पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि इसका उनकी सेहत पर क्या असर पड़ता है।

क्रेविंग (कुछ खाने का मन करना) को कंट्रोल करना सबसे मुश्किल काम है और अगर आप वजन घटाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए तो ये काम बहुत ही ज्यादा कठिन होगा। ऐसे में हम आपके के लिए एक बहुत ही आसान-सा समाधान लेकर आए हैं जो आपकी जंक फूड खाने की क्रेविंग को कंट्रोल करने में मदद करेगी।

जी हां, अगर आप अपने जंक फूड खाने की क्रेविंग को किसी हेल्दी और पौष्टिक चीज से शांत कर लें तो इससे ज्यादा बढ़िया तो और कुछ हो ही नहीं सकता है। इसके लिए सबसे पहले तो आपको अपने दिमाग के रिसेप्टिव सेंसर्स को जंक फूड से नफरत करना सिखाना होगा। अब हम आपको उस चीज का नाम बताते हैं जो फूड क्रेविंग को कंट्रोल करने में मदद करती है और भूख को भी शांत करती है।

किशमिश

मेंटल हैल्थ के विशेषज्ञ डॉ. लेस्ली कॉर्न के अनुसार, सिर्फ एक किशमिश रोज खाने से भी आप अपनी क्रेविंग को शांत कर सकते हैं। ये सबसे आसान और असरकारी तरीका है और इससे आपके वजन घटाने के रूटीन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा।

अगर आप किशमिश से अपनी जंक फूड की क्रेविंग को शांत करना चाहते हैं तो किशमिश को धीरे-धीरे खाएं। इस एक्सरसाइज में पाचं मिनट का समय लगेगा और आपको ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ेगी।

कैसे करती है काम

धीरे-धीरे किशमिश खाने से शरीर माइंडफुल ईटिंग पर ध्यान देता है और आपको अपने शरीर की जरूरत समझ आती है, वो भी बिना कुछ अनहेल्दी खाए। ये आपको अपने डायट्री जरूरतों के साथ भी तालमेल बैठाने में मदद करता है।

किशमिश और सूखे अंगूरों में ऐसे केमिकल होते हैं जो क्रेविंग को कम करने की क्षमता रखते हैं। किशमिश खाने पर शरीर में केमिकल रिएक्शन शुरू होता है जो कि सांस को धीमा कर देता है।

वहीं इसमें शक्तिशाली न्यूरोट्रांस्मीटर भी होते हैं जो भूख को संतुलित रख सकते हैं और पाचन को धीमा कर स्ट्रेस पर असर करते हैं। ये कई चीजों की क्रेविंग के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

क्या करें

अगर आप अपनी क्रेविंग को शांत करना चाहते हैं तो किशमिश धीरे-धीरे और बहुत ध्यान से खाएं। इस दौरान अपने शरीर द्वारा दी जा रही प्रतिक्रियाओं पर ध्यान दें। इस तरह आप अपने शरीर की जरूरतों को जान पाएंगे और किशमिश को सिर्फ चबाने की बजाय उसका पूरा आनंद ले पाएंगे।

वजन घटाने में मदद मिलती है

वेट लॉस के स्नैक के तौर पर भी आप किशमिश का सेवन कर सकते हैं। इनमें प्राकृतिक रूप से शुगर और विटामिन होते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल को भी कंट्रोल कर सकते हैं जिससे आगे चलकर वजन घटाने में मदद मिलती है। किशमिश को रातभर पानी में भिगोकर खाने से सबसे ज्यादा लाभ मिलते हैं।

इसलिए गर्मियों में करना चाहिए हरे अंगूर का सेवन, होते हैं कई फायदे

अंगूर एक ऐसा फल है जो आपको सभी मौसम में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विशेष तौर पर देखा जाए तो यह गर्मियों में आपको हर फ्रूट मार्केट में बहुत ही सस्ते दाम में मिल जाएगा। इसका सेवन करने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है लेकिन आज हम आपको गर्मियों में अंगूर खाने से होने वाले कुछ ऐसे फायदे के बारे में बताएंगे जो आपको सेहतमंद बनाए रखने के लिए बहुत मददगार साबित होंगे। आप चाहें तो अंगूर को खाने की बजाय इसका जूस बनाकर भी पी सकते हैं। आइए इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानते हैं।

विटामिन-सी की मिलेगी भरपूर मात्रा

विटामिन-सी एक ऐसा पोषक तत्व होता है जिसकी नियमित रूप से हमारे शरीर को जरूरत पड़ती है। एंटीऑक्सीडेंट के रूप में यह हमारी त्वचा को निखारने और स्किन टाइटनिंग में भी बेहतरीन असर दिखाता है। इसलिए अंगूर का नियमित रूप से सेवन आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-सी की पूर्ति कर सकता है।

एंटी कैंसर गुण

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की चपेट में आने से हर कोई बचे रहना चाहता है। इसलिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बहुत जरूरी है। गर्मियों में अंगूर का सेवन कैंसर की चपेट में आने से आपको बचाए रख सकता है। इसमें कई प्रकार के ऐसे कंपाउंड पाए जाते हैं जो एंटी कैंसर गुण रखते हैं। इस कारण अंगूर का सेवन करने से हमारे शरीर को कई प्रकार के कैंसर से बचे रहने में मदद मिल सकती है।

ब्लड प्रेशर को करता है कम

हाइपरटेंशन के कारण पूरी दुनिया में हर साल लाखों लोगों की जान जाती है। हाइपरटेंशन के कारण लोगों को हृदय से जुड़ी कई प्रकार की बीमारियां हो जाती हैं। इन सब की समस्या से बचे रहने के लिए अंगूर बेहतरीन भूमिका निभा सकता है। इसमें पोटेशियम की मात्रा पाई जाती है जो ब्लड प्रेशर को कम करने का दूर रखता है।

डायबिटीज से बचाए रखे

डायबिटीज से बचे रहने में भी अंगूर का सेवन करना काफी फायदेमंद साबित होगा। अंगूर खाने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल का स्तर काफी कम होता है। इसके साथ ही साथ यह फल शरीर में ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन करता है, जिसके कारण आप डायबिटीज की चपेट में आने से बचे रह सकते हैं। वैज्ञानिक अध्ययन में भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि अंगूर डायबिटीज के खतरे को कई गुना तक कम कर सकता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए

आंखों की देखने की क्षमता अगर मेंटेन बनी रहेगी तो लंबे समय तक चश्मा नहीं लगेगा। इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें और विटामिन-ए युक्त खाद्य पदार्थों को अपने खाने में अवश्य शामिल करें। अंगूर में एक विशेष प्रकार का केमिकल पाया जाता है जो आंखों के स्वास्थ्य के लिए और देखने की क्षमता को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रभावी रूप से कार्य कर सकता है। इसलिए अंगूर का सेवन आपके आंखों के लिए भी फायदेमंद रहेगा।

ऑयली बालों में नहीं करना पड़ेगा बार-बार शैंपू, ये 3 उपाय आएंगे काम

बालों में शैंपू करने के दूसरे दिन तब बाल बेहद सुलझे हुए रहते हैं। मगर वहीं, गर्मी के दिनों में धुले हुए बाल भी ऐसे दिखाई देते हैं कि मानों उन्हें 10 दिन से शैंपू ही नहीं किया गया हो। गर्मी के दिनों में बालों में धूल-पसीना और ऑयल जम जाता है, जिससे बाल चिपके हुए से दिखते हैं।

ऐसे में ड्राई शैंपू बेहद असरदार साबित हो सकता है। क्या आप जानती हैं कि 15वीं शताब्दी में एशियाई महिलाएं अपने बालों में लाल मिट्टी के पाउडर का इस्तेमाल करती थीं, ताकि वे स्कैल्प से नमी को अवशोषित कर सकें और उनकी स्कैल्प साफ हो सके? जी हां, ड्राई शैंपू बिना बालों को गीला किए ही बालों से नमी को सोखकर उन्हें फिर से फ्रेश लुक देने का काम करता है। यदि आप अपने बालों को हर दिन धोने से बचाना चाहती हैं, तो यहां जानें इसे घर पर बनाने की विधि....

चावल का आटा- कॉर्नस्टार्च से पाएं मजबूत बाल

2 बड़े चम्मच चावल के आटे को 2 बड़े चम्मच कॉर्नस्टार्च के साथ मिलाएं। फिर इसमें 4-5 बूंदें पेपरमिंट ऑयल की मिक्स करें। इसे सिर पर ब्रश की मदद से लगाएं। चावल का आटा आपके बालों में मजबूती भरेगा और उन्हें हानिकारक यूवी किरणों से भी बचाएगा। जबकि कॉर्नस्टार्च ग्रीस और अतिरिक्त सीबम को खत्म करने का काम करता है।

ओटमील और सोडा से पाएं मुलायम बाल

बेकिंग सोडा स्कैल्प से एक्सट्रा ऑयल को सोखता है। यह गंध को खत्म करने में भी मदद करता है। अगर आपको लगता है कि इससे आपके बाल काफी रूखे हो जाएंगे तो इसके बचाव के लिए ओटमील पाउडर है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो स्कैल्प की देखभाल करते हैं। आपको बस एक कटोरे में 1 कप ओटीमील और उतना ही बेकिंग सोडा मिक्स करना है। आप चाहें तो ओट्स की जगह पर कॉर्नस्टार्च यूज कर सकते हैं।

कॉर्नस्टार्च-कोको पाउडर से पाएं सुंदर बाल

कप कॉर्नस्टार्च, कप कोको पाउडर और द बड़ा चम्मच दालचीनी पाउडर अच्छी तरह से मिलाएं। इसे बालों में ब्रश या हाथों की मदद से लगाएं। यह नुस्खा काले बालों के लिए विशेष रूप से बढ़िया है। इस पैक में यूज होने वाला कॉर्नस्टार्च आपके बालों को तरोताजा कर देगा। वहीं, कोको पाउडर बालों पर गहरा रंग छोड़ेगा। साथ ही यह बालों को हेल्दी बनाकर उसकी ग्रोथ को बढ़ाता है।

लौंग की चायः मसूड़ों और दांतों से जुड़ीं कई समस्याओं को दूर भगाए

अगर आप चाय के शौकीन हैं तो आपको अलग-अलग फ्लेवर की चाय पीना भी पसंद आता होगा। ऐसे में आपको लौंग की चाय जरूर पीकर देखना चाहिए, स्वाद के अलावा ये सेहत से जुड़ी खासकर मसूड़ों और दांतों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर भगाने में कारगर होती है।

जानिए लौंग की चाय के यह 5 फायदे

- ■किसी भी तरह कि ओरल प्रॉब्लम होने पर लौंग वाली चाय पीना बहुत फायदेमंद होता है। इसके नियमित सेवन से मसूड़ों और दांतों से जुड़ी परेशानियां दूर हो जाती हैं, क्योंकि ये मुंह में मौजूद बैक्टीरिया साफ करने में मदद करती हैं।
- ■अगर आपका गला खराब हो, गले में खराश हो, खांसी या जुकाम हो जाए, तो ऐसे में लौंग की चाय पिना बेहद लाभकारी होगा।
- ■अगर आप बुखार से पीड़ित हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमंद होगा। इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा और नेचुरल तरीके से ठीक हो जाएगा।
- ■शरीर के अंगों और मांस पेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं, तो लौंग की चाय जरूर पिएं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।
- ■पाचन संबंधी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है। पेट में एसिडिटी होने और पाचन तंत्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से कार्य करता है।
- ■दांतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है।
- ■लौंग में मैग्नीशियम पाया जाता है, इसलिए इसकी चाय पिने से बैक्टीरियल इंफेक्शन खत्म होने में मदद मिलती है और इम्यूनिटी पावर भी बढ़ता है।

चुटकियों में साफ होगा किचन, बस करें ये काम

साफ सुधरे किचन में घर के सदस्यों की सेहत का राज छिपा रहता है. वैसे तो घर के हर कोने ही सफाई होनी चाहिए लेकिन किचन में खाना बनता है जिससे कि घर के सदस्यों की सेहत अच्छी रहती है. इसलिए किचन की साफ-सफाई बेहद जरूरी है. आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही आसान टिप्स जिन्हें अपनाकर आप अपने किचन को बेहद आसानी से साफ कर पाएंगे. किचन में बैक्टीरिया ज्यादा तेजी से पनपते हैं इसलिए फ्लोर क्लीनर पानी में मिलाकर पोचा लगाएं. आप चाहें तो किचन जेल का भी प्रयोग कर सकते हैं.

किचन में बर्तन धुलने की जगह में भी फिनायल डालना चाहिए. साथ ही रोज करीब एक बार किसी लिक्विड क्लीनर से सिंक की धुलाई करनी चाहिए. आप चाहें तो सिरका और बेकिंग सोडा मिलाकर भी किचन की सफाई कर सकते हैं.

किचन में बने सारे कैबिनेट, स्लैब, खिड़की दरवाजों को पानी में सिरका मिलाकर एक कपड़े में डुबोकर साफ करना चाहिए.

किचन में बनी नालियों की सफाई के लिए सप्ताह में एक दिन सुनिश्चित करें. इस दिन पानी खौलाकर इसमें 5 ढक्कन फिनायल डालकर नाली की सफाई करनी चाहिए. किसी क्लीनर से या लिक्विड सोप से चूल्हे को रोज दो बार साफ़ करना चाहिए. धुलाई करते समय बर्नर निकालकर बाहर रख दें.

फ्रिज की सफाई सप्ताह में दो बार करनी चाहिए. इससे फ्रिज में जर्म्स और बैक्टीरिया पनपने की संभावना नहीं रहती है. एक दिन बासी खाना फेंकने में देर न लगाएं.

बर्तन साफ़ करते समय किसी अच्छे साबुन या लिक्विड सोप का इस्तेमाल करें. ये ध्यान दें कि धुलने ले बाद बर्तन पर सोप लगा तो नहीं रह गया है. किचन में इस्तेमाल होने वाले मॉप, रोटी लपटने वाले कपड़े को गर्म मानी में एंटी-बैक्टीरियल लिक्विड डालकर धोएं.

कई लोग माइक्रोवेव में खाना बनाना पसंद करते हैं. इसलिए इसकी सफाई भी बेहद जरूरी है. एक कटोरी में पानी लेकर उसमें 1 चम्मच नींबू का रस डालें . अब माइक्रोवेव का दरवाजा बंद कर इसे 5 मिनट तक ऑन कर छोड़ दें. इसके बाद एक हलके कपड़े से माइक्रोवेव के अन्दर सफाई कर लें.

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

डॉ.संजय कुमार अलंग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 10 को देंगे व्याख्यान

रायगढ़। संभागायुक्त डॉ.संजय कुमार अलंग छत्तीसगढ़ के इतिहास और संस्कृति के विषय विशेषज्ञ के रूप में 10 जून को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में व्याख्यान देंगे। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश हिन्दी, संस्थान एवं भारतीय दर्शन परिषद के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में डॉ.संजय कुमार अलंग का व्याख्यान छत्तीसगढ़ से संबंधित विषय पर है। डॉ.अलंग छत्तीसगढ़ पर गहन शोध परक कार्य और पुस्तकों के लिए स्थापित व प्रसिद्ध लेखक और विद्वान हैं। उनको छत्तीसगढ़ पर शोध के लिए केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय का सर्वश्रेष्ठ शोध लेखन का सर्वोच्च सम्मान मिल चुका है। छत्तीसगढ़: इतिहास और संस्कृति पुस्तक को एक लाख रुपये का सर्वश्रेष्ठ शोध लेखन का सर्वोच्च सम्मान मिला था। इन पुस्तकों में छत्तीसगढ़: इतिहास और संस्कृति के अलावा छत्तीसगढ़ की रियासतें और ज़मींदारीयाँ, छत्तीसगढ़ की जनजातियाँ और जातियाँ आदि जैसी कई सुविख्यात पुस्तकें सम्मिलित हैं। संजय अलंग के तीन कविता संग्रह भी प्रकाशित हैं और उन्हें भी सम्मानित किया गया है। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ पर शोध की प्रस्तुति अन्तर्राष्ट्रीय शोध प्रस्तुति से छत्तीसगढ़ पर शोध की ओर न सिर्फ ध्यान आकर्षित होगा अपितु अब तक किए गए शोध को बड़े फलक पर मान्यता मिलेगी। वे वर्तमान में बिलासपुर और सरगुजा संभाग के कमिश्नर हैं और अभी उनका स्थानांतरण संभागीय आयुक्त रायपुर के पद पर हुआ है।

ओड़गी के दूरस्थ क्षेत्र बिहारपुर में दिव्यांग शिविर किया गया आयोजन

सूरजपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देश अनुसार ओड़गी के दूरस्थ क्षेत्र बिहारपुर में दिव्यांगो को दिव्यांग प्रमाण पत्र तथा बनाने हेतु दिव्यांग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बिहारपुर क्षेत्र के 26 ग्राम पंचायतों के कुल 132 हितग्राहियों का पंजीयन किया गया जिसमें 77 दिव्यांगों को दिब्यांग प्रमाण पत्र वितरण तथा 55 दिव्यांगो के DID CARD हेतु पंजीयन कराया गया। दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने पर हितग्राहियों को पेंशन, छात्रवृत्ति योजना का लाभ मिल पाएगा तथा उनके लिए सहायक उपकरणों का लाभ भी दिया जा सकेगा। जिला के विशेषज्ञ डॉक्टरों की मेडिकल बोर्ड के टीम की उपस्थिति में हाथ, पैर, आंख आदि की दिव्यांगता प्रतिशत का जांच किया गया। 07 बुजूर्ग व्यक्तयों को सहायक उपकरण के रुप में छड़ी का वितरण किया गया। शिविर में जनपद सदस्य श्रीमती देवरजिया जायसवाल, केवलामती साकेत, बसंत गुर्जर, ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री मंगलेश गुर्जर तथा श्रीमती बेनेडिक्ता तिर्की उप संचालक समाज कल्याण, रणवीर साय मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज.पं., संजय शर्मा तहसीलदार बिहारपुर, जनक वर्मा एडीईओ, राकेश चौबे, उग्रसेन तथा बिहारपुर क्षेत्र के सभी सचिव तथा सरपंच उपस्थित रहे।

आदिवासी पुरखौती को याद करने भाजपा अजजा मोर्चा निकाल रही है सम्मान यात्रा

रायपुर। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने बताया कि प्रदेश में 9 जिन से आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा का प्रारंभ होगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के महापुरुषों के आदर्शों को गांव-गांव में प्रचारित करना, लोगों के ह्रदय में शहीदों की सोच और भावनाओं के प्रति सम्मान एवं आभार का भाव उत्पन्न करना आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा केवल कार्यक्रम नही बल्कि वक्त की जरूरत है। जिस छत्तीसगढ़ का स्वप्न देखकर हमारे आदिवासी नायकों ने अपनी बलिदानी देकर अपना सर्वस्व न्योछावर किया था, भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार ने उस छत्तीसगढ़ का सर्वनाश कर दिया है। शहीद वीर नारायण सिंह ने भूखों का पेट भरने के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया और अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। भूपेश सरकार गरीबों के निवाले तक छीन रही। केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के सैंकड़ों करोड़ का चावल घोटाला भूपेश सरकार कर चुकी है। शहीद गुण्डाधुर और शहीद गेंद सिंह ने आदिवासी संस्कृति के लिए अपनी बलिदानी दे दी थी। भूपेश सरकार मिशनरियों के माध्यम से आदिवासियों की मूल संस्कृति को खत्म करने पर तुली है। प्रदेश सरकार की नाकामी के कारण आज पूरे बस्तर संभाग में मूल आदिवासियों और मतांतरित आदिवासियों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा हो गई है। संत गहिरा गुरु एवं माता राजमोहनी देवी ने सामाजिक चेतना, उत्थान और शराबबंदी के लिए अपना जीवन खपा दिया, आज भूपेश सरकार ने उसी समाज को नशा और अपराध के आगोश में झोंक दिया है। शराबबंदी का वादा करके आई इस कांग्रेस सरकार ने गांव गांव में शराब बिक्री के तंत्र विकसित कर दिए हैं।

तमनार के एनआरसी केंद्र में कुपोषित बच्चों को मिलेगा नया जीवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तमनार में विधायक लैलूंगा श्री चक्रधर सिंह सिदार के मुख्य आतिथ्य में पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी)का उद्घाटन हुआ। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा कुपोषित बच्चों में कुपोषण की रोकथाम एवं उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केन्द्र चलाया जा रहा है। इस दिशा में कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा की पहल पर डीएमएफमद से सीएचसी तमनार में पोषण पुनर्वास केन्द्र की स्थापना की गयी है। जहां तमनार एवं घरघोड़ा विकासखण्ड के कुपोषित बच्चों को नया जीवन मिलेगा।

वर्तमान में यहां 10 बेड की सुविधाएं उपलब्ध है। साथ ही सुपोषित आहार की उत्तम व्यवस्था है और इसी के साथ रसोई एवं शौचालय की सुविधा भी मौजूद है। यहां बच्चों के मनोरंजन एवं खेलकूद की समुचित व्यवस्था की गई है। इस केंद्र में कुपोषित बच्चों को उनके माताओं सहित समस्त सुविधा प्रदान की जाएगी। कलेक्टर श्री सिन्हा द्वारा कुपोषण मुक्त जिला बनाने के उद्देश्य से पोषण पुनर्वास केन्द्रों की स्थापना ब्लॉक स्तर पर की जा रही है। जहां चिन्हित गंभीर कुपोषित बच्चों को एक निश्चित दिन तक रखकर विशेष निगरानी में उन्हें पोषण आहार उपलब्ध कराया जाता है।

सीएमएचओ डॉ.मधुलिका सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा एवं सीईओ जिला पंचायत श्री अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले में कुपोषण मुक्ति की दिशा में सतत् प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि सीएचसी तमनार के एनआरसी केन्द्र में तमनार एवं घरघोड़ा सहित दूरस्थ इलाकों से आने वाले कुपोषित बच्चों को भर्ती कर उनका चिकित्सा अधिकारियों के देखरेख में इलाज किया जा रहा है। यहाँ गंभीर कुपोषित बच्चों को 6 माह से 5 साल तक प्राथमिक रूप से 15 दिन तक भर्ती कराकर उन्हें पोषण युक्त आहार देकर डॉक्टरों की टीम की देखरेख में उनका इलाज किया जाएगा। अति गंभीर कुपोषित होने पर बच्चों को 21 दिन तक भी रखा जाता है। इस दौरान भर्ती किये जाने वाले बच्चों को 15 दिन तक एनआरसी में रखकर उनका इलाज व स्पेशल डाइट चार्ट तैयार किया जाएगा। जिसमें सही मात्रा में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज तत्व युक्त भोजन आहार विशेषज्ञ द्वारा तैयार किया जाता है। साथ ही यहां उन्हें नि:शुल्क दवाइयाँ भी प्रदान किया जाएगा। प्रतिदिन बच्चों का वजन कर उसी के हिसाब से उनको भोजन एवं दवाइयाँ दी जाएगी। एनआरसी से बच्चे की छुट्टी होने के बाद बच्चे का प्रत्येक 15 दिन में कुल 4 बार फॉलोअप भी किया जाएगा। बच्चे के साथ एनआरसी आने वाली उनकी माता या उनके साथ आने वाले परिजनों को भी दिन में 2 समय भोजन और प्रतिदिन 150 रुपया के हिसाब से 2250 रुपये क्षतिपूर्ति के रूप में प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाता है। साथ ही यहाँ प्रतिदिन स्टॉफ नर्स के द्वारा माताओं का काउंसलिंग किया जाएगा। जिसमें उन्हें बच्चों के देखरेख, टीकाकरण, पोषण और स्वच्छता से संबंधित जानकारी दी जाएगी।

इस दौरान सरपंच सुश्री गुलापी सिदार, बीडीसी श्रीमती ममता साव, बिहारी लाल पटेल, मानिकचंद पटनायक, कैलाश गुप्ता, बबलू साहू, धर्नुजय भगत, देवेन्द्र शर्मा, द्वारिका ठाकुर, राजेन्द्र शर्मा, चतुरलाल देवांगन, स्वास्थ्य विभाग से डीपीओ अतुल दांडेकर, बीएमओ डॉ.डी.एस.पैकरा, डीपीएम सुश्री रंजना पैकरा, श्रीमती मरकाम, धनश्याम प्रधान, शशिभूषण सिंह एवं जिंदल पावर लिमिटेड से श्री ऋषिकेश शर्मा, राजेश रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतागढ़ में रानी दुर्गावती, गुंडाधुर और वीर गैंद सिंह की मूर्ति का उद्योग मंत्री लखमा ने किया अनावरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । उद्योग मंत्री कवासी लखमा ने आज कांकेर जिले के अंतागढ़ के मद्रासी पारा आमाबेड़ा चौक में वीरांगना रानी दुर्गावती, शहीद गुंडाधुर एवं शहीद वीर गैंद सिंह की मूर्ति का अनावरण किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री अनूप नाग और राज्य योजना आयोग के सदस्य क्रांति नाग विशेष रूप से उपस्थित थी।

मंत्री श्री लखमा ने इस दौरान कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती सरीखे महान देशभक्तों का स्मरण करते ही मन में रोमांच भर जाता है। रानी दुर्गावती के रास्ते पर चलकर जीवन में देश की मिट्टी के लिए सर्वस्व न्यौछावर करने का जज्बा लेकर कार्य करने का प्रण हम सभी लोगों को अवश्य लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती न सिर्फ आदिवासी समाज बल्कि पूरे राष्ट्र का गौरव हैं। उन्होंने आदिवासी समाज के लोगों में देश की मिट्टी के प्रति प्रेम एवं समर्पण के भाव के साथ जीवन में अपने कर्तव्यों का सहज निर्वहन करने के भावना की सराहना भी की। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं शासकीय अधिकारी-कर्मचारी तथा ग्रामीणजन बड़ी संख्या में मौजूद थे।

गोठान में निर्मित गोबर पेंट से शुरू हुई सरकारी भवनों की पुताई

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशों के अनुरूप महासमुंद स्थानीय गोठानों में निर्मित गोबर पेंट से सरकारी भवनों की पुताई का काम लगातार शुरू है। महासमुंद के बिरकोनी गौठान में महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क रिपा अंतर्गत स्थापित गोबर से डिस्टेंपर पेंट बनाने का काम चल रहा है। पहले सिरपुर - बांसकुड़ा में शासकीय उचित मूल्य और आँगनवाडी केंद्र में पुताई गोबर पेंट से की जा चुकी है। पिछले माह छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के बांसकुड़ा आगमन पर इसकी काफ़ी सराहना हुई। अब लोक निर्माण द्वारा निर्मित महासमुंद के बाल संप्रेक्षण गृह के अहाता का गोबर डिस्टेम्पर पेंट से किया जा रहा है।

लोक निर्माण के कार्यपालन अभियंता श्री एस.आर.चंद्राकर ने बताया कि इसमें लगभग 200 लीटर गोबर पेंट लगेगा। गोबर पेंट की बाज़ार क़ीमत 160 रुपये प्रति लीटर है। कुल क़ीमत 32000 होगी। ज़िले के नवीन निर्मित निर्माण में अब गोबर पेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने हाल ही में रिपा को 1000 लीटर गोबर पेंट का ऑर्डर दिया है। गोबर पेंट की क़ीमत बाजार में उपलब्ध रासायनिक पेंट से कम है, साथ ही गोबर से निर्मित होने के कारण रासायनिक पेंट की तुलना में इसमें महक भी नहीं आती है। गांवो के गोठान में संचालित रिपा में महिला समूहों द्वारा तैयार किया गया गोबर पेंट अब मल्टी नेशनल कंपनियों के पेंट को टक्कर दे रहा है। पेंट निर्माण में मल्टी नेशनल कंपनियां के पेंट बाजार में देखने को मिलते है। लेकिन अब ग्रामीण महिलाएं भी गोबर पेंट का उत्पादन कर मजबूती से कदम रख रही हैं।

जिले में संचालित बिरकोनी गोठानों में रिपा में समूह की महिलाओं द्वारा अब तक लगभग 4000 लीटर पेंट तैयार कर लिया गया है। जिसमें से एक लाख 44 हजार रुपए का पेंट विक्रय कर लिया गया है। गोबर पेंट से ही महिलाओं को 28 हजार 900 रुपए की आय हुई है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से आया रुख्मणी के जीवन में उजियारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। आदिवासी बाहुल्य ग्राम पंचायत बरबांधा की रहने वाली श्रीमती रुख्मणी मरकाम राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वर्ष 2018 से गठित जय बूढ़ादेव स्व सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। ग्राम पंचायत बरबांधा जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर है तथा ब्लॉक मुख्यालय से 30 किलोमीटर है। श्रीमती रुख्मणी मरकाम वर्ष 2019 से बैंक सखी के रूप में कार्य करते हुए लेखापाल का दायित्व भी निर्वहन कर रही हैं और अपने आसपास क्षेत्र के लोगों को योजना का लाभ पहुंचा रही हैं।

बैंक सखी के रूप में खास पहचान बनाने वाली श्रीमती रुख्मणी मरकाम छ.ग.राज्य ग्रामीण बैंक से जुड़कर कियोस्क के माध्यम से ग्रामीणों को कई सेवाएं मुहैया करा रही है।

रुपयों का लेनदेन प्रधानमंत्री जनधन योजना, अटल पेंशन योजना, जीवन ज्योति योजना, वृद्धा पेंशन इत्यादि सेवाएं शामिल है। श्रीमती रुख्मणी मरकाम एम.ए. अंग्रेजी तक की पढ़ाई की है, जब समूह में जुड़ीं तब गृहणी थी। कुल 9 सदस्यों का संयुक्त परिवार मजदूरी और कृषि कार्य पर निर्भर थी। सकारात्मक सोच के चलते उन्होंने अपनी शिक्षा का लाभ लेते हुए बैंक सखी का कार्य शुरू किया।

श्रीमती रुख्मणी मरकाम गांव में रहकर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक का कियोस्क चलाती है और साथ ही सीएससी का चॉइस सेंटर भी चलाती है। पति का साथ मिलने से लोगों के घरों तक पहुंचकर गांव की महिलाओं को बैंक की तरह धन मुहैया कराती है। जब जन धन योजना के तहत हितग्राहियों के खाते में जमा राशि को लोगों को उपलब्ध कराना तब उन्होंने घर-घर जाकर यह राशि महिलाओं को प्रदान की।

3000 से अधिक ई-श्रम कार्ड, प्रतिमाह लगभग 50 पेंशनधारकों का भुगतान, 50 घरेलू गैस सिलेंडर का विक्रय, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत लगभग 1000 श्रमिकों का भुगतान, इसके अलावा पेनकार्ड, आयुष्मान कार्ड, बिजली बिल भुगतान, मोबाईल एवं डीटीएच रिचार्ज, ई-केवायसी इत्यादि सेवाओं का लाभ ग्रामीणों को दे रही है। इस तरह प्रतिमाह 15 से 20 हजार रूपये की आमदनी प्राप्त हो रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती रोक्तिमा यादव ने बताया कि- श्रीमती रुख्मणी मरकाम बैंक सखी का कार्य करते हुए आत्मनिर्भर होकर काम कर रही है और अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनी हुई है।

उनके काम को देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी प्रभावित होती हैं और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में समूह से जुड़ रही हैं। बैंक सखी श्रीमती रुख्मणी मरकाम ने इस उपलब्धि पर बताया कि- मैंने अपने शिक्षा का सदुपयोग करके परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने का जिम्मा लिया। इस कार्य में पति का भरपूर सहयोग मिल रहा है। आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' जीवन में उजियारा लाने में कारगर सिद्ध हुई है।

तार फैंसिंग का कार्य बना ग्रामीण महिलाओं के लिए आजीविका का आधार, प्रति सदस्य को मिला 16 हजार 713 रुपए का शुद्ध लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ शासन की विशेष प्राथमिकता वाले नरूवा, गरूवा, घुरूवा एवं बाड़ी योजना के अंतर्गत निर्मित गौठान आज ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं विभिन्न रोजगारमूलक गतिविधियों के संचालन हेतु महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

इसके परिणाम स्वरूप जिले के गुरूर विकासखंड के चिटौद गौठान में शुरू की गई तार फैंसिंग का कार्य आमदनी का स्थायी स्त्रोत बनकर आज उनकी आजीविका का आधार बन गया है।उल्लेखनीय है कि चिटौद गौठान में माँ वैष्णवी स्वसहायता समूह की 08 महिलाएं तार फैसिंग बनाने का कार्य कर रही हैं। तार फैंसिंग निर्माण के कार्य तथा इसकी बिक्री से नियमित रूप से आमदनी प्राप्त होने के कारण महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त हो रही हैं। माँ वैष्णवी स्वसहायता समूह की महिलाओं को अब तक 06 लाख 74 हजार 504 रुपए की तार फैंसिंग बिक्री से 01 लाख 33 हजार 706 रुपए का शुद्ध आमदनी प्राप्त हुई है। इस तरह से समूह के प्रत्येक सदस्यों ने 16 हजार 713 रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित की है। इस तार फैंसिंग के कार्य से होने वाले लाभ की जानकारी देते हुए मां वैष्णवी स्वसहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती रेश्मा साहू बताया कि गौठान में शुरू की गई तार फैंसिंग के निर्माण का कार्य हम ग्रामीणों को रोजगार प्रदान करने की दिशा में बहुत ही मददगार साबित हुआ है। इसके माध्यम से अब हमें गांव में ही रोजगार प्राप्त हो रहा है जिसके कारण हमें रोजी-रोटी की तलाश में बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। उन्होंने बताया कि समूह की सभी सदस्य कोड़ेवा गांव से तार फैसिंग बनाने का प्रशिक्षण लेने के बाद गौठान में तार फैसिंग का कार्य शुरू किया है। गौठान में बनने वाले तार फैंसिंग का गुरुर विकासखंड के अन्य गौठानों में भी बिक्री की गई है। साथ ही आस-पास के किसानों को भी तार फैंसिंग की बिक्री समूह द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अपने ही गांव में काम मिलने से महिलाओं में आत्म विश्वास बढ़ा है, साथ ही गौठानों में चल रही गतिविधियों के प्रति रूचि भी बढ़ी है।

खास-खबर

बेटी से मिलता था कॉलेज का छात्र, नाराज पिता ने हत्या कर पेड़ पर लटकाया शव

कांकेर। दो माह पूर्व कांकेर जिले के ग्राम कोहकाटोला गांव में जन्मदिन के दूसरे दिन इमली के पेड़ पर मिली कॉलेज छात्र की लाश का मामला पुलिस ने सुलझा दिया है। दरअसल कॉलेज छात्र ने आत्महत्या नहीं की थी बल्कि उसकी हत्या की गई थी। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मृतक छात्र हत्या के मुख्य आरोपी की बेटी से मिलता था और इससे वह नाराज था जिसके कारण उसने यह पूरा प्लान बनाया।

बता दें बता दें कि 11 अप्रैल को उमेंद्र कुंजाम की लाश कोहकाटोला गांव इमली के पेड़ पर फांसी से लटकी मिली थी। मृतक कॉलेज का छात्र था और फंदे पर उसी की शर्ट से उसकी लाश टंगी थी। इस पूरे मामले का खास पहलू यह रहा कि परिजनों को गांव से बहिस्कृत करने की धमकी देकर पुलिस थाने तक मामला पहुंचने नहीं दिया गया। पेड़ पर टंगी लाश की फोटो नरहर पुलिस को मिली जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

पुलिस ने जब इस मामले में मृतक के परिजनों से पूछताछ शुरू की तो पता चला कि ग्राम पटेल रामानंद कोडोपी की बेटी और उमेंद्र कुंजाम के बीच दोस्ती थी। दोनों काफी मिला करते थे और अक्सर साथ देखे जाते थे। यह बात ग्राम पटेल को रास नहीं आई और उसने छात्र को कई बार धमकाया कि वह उसकी बेटी से न मिले। इसके बाद भी उमेन्द्र उसकी बेटी से मिलता था। संभवतः दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था।

इसबीच रामानंद कोडोपी ने 10 अप्रैल की रात को उमेन्द्र को मिलने के लिए बुलाया। ग्राम कोहकाटोला से चरमट्टी जाने वाले मार्ग पर पुलिया के पास उसने उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उसे आत्महत्या का रूप देने के लिए बड़ी ही चालाकी से उसके शव को उसी के शर्ट के सहारे इमली के पेड़ पर लटका दिया। इस काम में उसने अपने चार दोस्तों को साथ लिया। दूसरे दिन पेड़ पर शव मिलने के बाद गांव में सनसनी फैल गई। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रामानंद कोडोपी सहित पुरुषोत्तम कोडोपी, रामलाल कांगे, सिदेराम नेताम और सुखीराम कोडोपी को गिरफ्तार कर सभी को जेल भेज दिया गया है।

भिलाई में खौफनाक हत्याकांड

सो रहे पति की पत्नी ने गला घोंटकर की हत्या, भूत-प्रेत के साये की अफवाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सुपेला थाना अंतर्गत बजरंग चौक में बीती रात पत्नी ने अपने पति की गला घोंटकर हत्या कर दी। पत्नी ने सो रहे पति का गला अपने दुपट्टे से घोंट दिया जिससे उसकी मौत हो गई। जिस समय यह घटना घटी उस समय महिला के बच्चे भी साथ थे। पिता की छटपटाहट देख वे चीखने लगे। चीख पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाला उसका भाई पहुंचा और बिस्तर पर पड़े अपने भाई को अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

सुपेला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि बजरंग चौक क्षेत्र में महिला ने अपने पति की हत्या कर दी है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची तो देखा कि यहां रहने वाली संगीता सोनी (39) ने अपने पति दिलीप सोनी (45) की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी है। पूछताछ में पता चला कि संगीता सोनी पिछले कुछ दिनों से बीमार रह रही थी और आस पड़ोस वालों ने बताया कि उस पर भूत-प्रेत का साया है। घर वाले भी उसका तंत्रमंत्र से इलाज कराने का प्रयास किया जा रहा था।

पुलिस ने बताया बुधवार की रात को दिलीप सोनी अपने बच्चों व पत्नी के साथ घर पर सोया था। जब सभी सो गए तो आधी रात के बाद दिलीप सोनी की पत्नी संगीता सोनी उठी और अपने दुपट्टे से पति दिलीप सोनी का गला घोंट दिया। दिलीप सोनी के घर के बगल में उसका भाई जितेन्द्र सोनी भी अपने परिवार के साथ रहता है। चीख पुकार सुनकर वह घर पहुंचा तो दिलीप सोनी बिस्तर पर पड़ा था। इसके बाद 112 को सूचना दी गई और दिलीप सोनी को अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बदहवास थी महिला

इधर जब सुपेला पुलिस घटना स्थल पहुंची तो आरोपी महिला काफी बदहवास थी। वह किसी के काबू में नहीं आ रही थी। पुलिस को उसे पकड़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। महिला पुलिस बल व पास पड़ोस की महिलाओं की मदद से उसे काबू में किया गया। फिलहाल आरोपी महिला पुलिस की गिरफ्त में है। वहीं मृतक का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिया गया। घटना के बाद मोहल्ले में गहगा गहमी का माहौल है। मोहल्ले के लोग घटना से हैरान हैं।

तालाब में डूबने से दो मासूमों की मौत बिना बताए घर से निकल गए थे दोनों

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के उरला क्षेत्र में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। यहां दो मासूम बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई है। दोनों बच्चे घर पर बिना बताए खेलने निकल गए थे। खेल-खेल मे तालाब पहुंच गए और हादसे का शिकार हो गए। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरोंकी मदद से बच्चों के शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार उरला थाना क्षेत्र के न्यू राजेंद्र नगर रहने वाले आयुष यादव (6) और आदर्श यादव (4) गुरुवार को घर पर किसी को बताए बगैर खेलने निकल पड़े। बच्चों की मां घर पर बर्तन धो रही थी इस बीच दोनों भाई एक दूसरे का हाथ पकड़कर चले गए। काफी देर तक दोनों बच्चे वापस नहीं लौटे तो घरवालों ने दोनों की तलाश शुरू की। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस ने बच्चों की तलाश शुरू की।

पुलिस ने जब तलाश शुरू की तो घर से कुछ दूरी पर स्थित तालाब में दोनों के शव मिले। पुलिस ने तालाब से दोनों शव बाहर निकलवाए और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक सुबह घर से निकलने के बाद बच्चे खेल-खेल में तालाब में नहाने चले गए और गहराई में फंस गए। इससे बच्चे डूब गए। बच्चों की मौत से उनके घर के साथ ही क्षेत्र में मातम का माहौल है।

छत्तीसगढ़ में सगे भतीजे ने कर दी चाचा की हत्या, कुल्हाड़ी से सिर पर किया वार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक नाबालिग ने अपने सगे चाचा की हत्या कर दी। घर पहुंचे चाचा ने अपने भतीजे को सलाह देना शुरू किया जो विवाद में बदला और गुस्से में आकर नाबालिग भतीजे ने पहले डंडे से अपने चाचा की पिटाई की और उसके बाद घर पर रखे कुल्हाड़ी से वार कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने नाबालिग को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। घटना जिले के लोहड़ीगुड़ा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार लोहाडीगुडा थाना क्षेत्र के मिचनार निवासी सन्नू कर्मा मंगलवार की रात को अपने भाई मंगलू कर्मा के घर गया था। घर पर उसकी अपने नाबालिग भतीजे से किसी बात को लेकर बहस होने लगी थी। सन्नू कर्मा अपने भतीजे को सलाह दे रहा था और इसके कारण भतीजा भड़क गया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। घर पर मौजूद अन्य

लोगों ने दोनों को समझाया लेकिन दोनों ही सुन नहीं रहे थे।

इस बीच नाबालिग डंडा उठा लाया और चाचा पर ताबड़तोड़ वार करने लगा। इतने से उसका दिल नहीं भरा तो उसने घर पर रखी कुल्हाड़ी उठाई और चाचा के सिर पर वार कर दिया। कुल्हाड़ी के वार से सन्नू कर्मा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में गांव में हत्या की बात फैल गई। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची और आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को बाल न्यायालय पेश किया गया जहां से उसे बाल सुधार गृह भेजा गया है।

नशे में गाली गलौच की तो 3 नाबालिगों ने कर दी हत्या

सीसी टीवी फुटेज से हुई पहचान

बालोद (ए)। मोहन नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार की रात तीन नाबालिगों ने लुकेश यादव नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी। शक्ति नगर निवासी तीनों बच्चों ने रात करीब 1.30 बजे मोहल्ले की शादी से लौटते वक्त इस वारदात को अंजाम दिया। तीनों ने मिलकर पत्थर के टुकड़े से लुकेश के सिर पर कई बार वार किए। जब उसकी हालत गंभीर हो गई तो मौके से निकलकर घर जाकर सो गए।

इधर सुबह होने पर किसी स्थानीय व्यक्ति ने शक्ति नगर दुर्ग निवासी अशोक देवांगन के घर के बगल वाली गली में खून से सना व्यक्ति गिरा देखा तो पुलिस का सूचना दी। पुलिस उसे जिला अस्पताल ले गई, जहां के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, एक फुटेज में तीनों नाबालिग वारदात को अंजाम देते दिखाई दिए। परिजनों को बुलाकर पूछताछ की तो सबने हत्या करना कबूल लिया। 6 घंटे में पुलिस ने मामला सुलझा लिया। तीनों नाबालिगों ने बताया कि मृतक लुकेश यादव नशे का आदि था। नशे में उसने तीनों के साथ गाली-गलौच किया था। यहां तक की मारपीट भी की थी। यही बात तीनों को नागवार गुजरी। मुहल्ले की शादी से लौटते वक्त वह उन्हें उसी जगह पर मिल गया। फिर से गाली देने लगा, इसलिए सबने उसे पास में पड़े पत्थर के टुकड़े से मारा। फिर घर जाकर सो गए।

छत्तीसगढ़ शासन वन विभाग

सामान्य वनमण्डल दुर्ग

नीलाम की सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि दुर्ग वनमण्डल के अधिनस्थ शासकीय उपभोक्ता डिपो पुलगांव, पाटन, अण्डा, वन परिसर कुम्हारी, बेमेतरा, साजा, देवकर, बेरला एवं अन्य डिपो में संग्रहित ईमारती, जलाऊ, काष्ठ का दिनांक 13/06/2023 को नीलाम व्दारा निर्वतन किया जायेगा। नीलाम में रखे जाने वाले अनुमानित मात्रा :-

नीलाम तिथि - 13/06/2023
स्थान - पुलगांव डिपो
समय - प्रातः 9:00 बजे

नया काष्ठ/जलाऊ चट्टा

परिक्षेत्र	डिपो	प्रजाति	लट्ठा घ.मी.	चिरान घ.मी.	बल्ली/डे. नग	जलाऊ चट्टा
दुर्ग	पुलगांव	सागौन लट्ठा/बल्ली/डेंगरी	24.850	-	166/360	-
-,,-	-,,-	कहुआ/मिश्रित लट्ठा	16.463	-	-	-
-,,-	पाटन	कहुआ लट्ठा/कहुआ मि. जलाऊ	6.367	-	-	6
-,,-	अण्डा	मिश्रित लट्ठा/मिश्रित जलाऊ	13.242	-	-	10
		योग :-	60.922		166/360	16

अविक्रित काष्ठ/जलाऊ चट्टा

परिक्षेत्र	डिपो	प्रजाति	लट्ठा (घ.मी.)	चिरान घमी.	ब./डे. नग	जलाऊ च.
दुर्ग	पुलगांव	सागौन लट्ठा/बल्ली/डेंगरी	78.887		70	-
-,,-	-,,-	मिश्रित लट्ठा/मि. जलाऊ	17.866			13
-,,-	पाटन	कहुआ, साल, लट्ठा, चिरान /ज.	8.162	3.671		21
-,,-	अण्डा	नीलगिरी, बबूल मि. लट्ठा/ मि. ज.	40.050			32
धमधा	वन परि. कु.	सागौन लट्ठा/डेंगरी/मि. ज.	17.188		22	5
	-,,-	नीम लट्ठा/अन्य चिरान	0.400	0.268		
साजा	देवकर डिपो	कहुआ लट्ठा, डेंगरी	4.451			
-,,-	बेरला डिपो	कहुआ चिरान/ज.		0.197		5
-,,-	साजा डिपो	कहुआ, महानीम लट्ठा/ज.	2.089			1
बेमेतरा	बेमेतरा, नांदघाट	अर्जुन, लट्ठा/ साजा, मि. बल्ली	4.243		347	
		योग :-	173.336	4.136	439	77

टीप :- (1) सफल क्रेताओं को अपना पूर्ण पता एवं फोन नंबर/मोबाईल नंबर ई0एम0डी0 अधिकारी के पास आवश्यक रूप से अंकित करावें।
(2) ई. एम. डी. हेतु नगद राशि के साथ मल्टी सिटी चेक भी स्वीकृत किये जावेंगे, जो बैंक से क्लीयर होने के पश्चात् ही मान्य होंगे।
(3) वर्ष 2022 एवं 2023 का व्यापारी पंजीयन प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
(4) पैन कार्ड एवं जी.एस.टी. (GST) पंजीयन, टीन नं. की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

वनमण्डलाधिकारी
दुर्ग वनमण्डल, दुर्ग (छ.ग.)

जी-02181/6

दोस्त से मिलने गये युवक की हत्या, पत्थर बांधकर कुएं में फेंका शव, खून के छीटों से हुआ खुलासा

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के थाना गांधीनगर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिखलाडीह, नर्मदापुर में आपसी विवाद के बाद युवक की हत्या कर दी गई और उसके शव को पत्थर बांधकर कुएं में डाल दिया। मृतक अपने दोस्त से मिलने वहां गया था। सूचना पर पुलिस ने गुरूवार को घटनास्थल पहुंचकर जांच की तो घर में खून के छींटे मिले। युवक के शव को पास के एक कुंए से एसडीआरएफ की मदद से बरामद कर लिया गया है। युवक का शव सड़ने लगा था। मामले में संदिग्ध युवक की खोजबीन की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चिखलाडीह, नर्मदापुर से पुलिस को सूचना मिली कि वहां एक घर में रहने वाले युवक का तीन-चार दिन पूर्व किसी से विवाद हुआ था और वहां से चीखने-चिल्लाने की आवाज आ रही थी। इसके बाद घर में रहने वाला युवक लापता है। सूचना बीती रात पुलिस को मिलने पर गांधीनगर पुलिस देर रात नर्मदापुर मौके पर पहुंची, लेकिन रात हो जाने के कारण पुलिस को कोई जानकारी नहीं मिल पाई। घर में दीवारों पर खून के छींटे देखकर पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। गुरूवार को सीएसपी स्मृतिक राजनला के नेतृत्व में गांधीनगर पुलिस नर्मदापुर पहुंची। उन्होंने उस मकान का निरीक्षण किया, जहां विवाद की सूचना मिली थी। घर की जांच में जमीन एवं दीवारों पर खून के छींटे मिले। घर में कोई भी मौजूद नहीं था। खून के छीटों को मिट्टी से पोताई कर छिपाने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने आसपास के इलाके में सर्चिंग शुरू की एवं पुलिस टीम एक कुएं के पास पहुंची। खेत में मौजूद उक्त कुए में युवक का शव दिखा। पुलिस ने एसडीआरएफ टीम की मदद से युवक के शव को कुएं से निकाल लिया। मौके पर पहुंची फारेंसिक एक्सपर्ट की टीम ने भी जांच की। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया। शव करीब चार दिन पूर्व का है और सड़ने लगा था। पुलिस ने आसपास के लोगों का बयान दर्ज किया है।

मृतक की हुई शिनाख्त, संदिग्ध फरार

सीएसपी स्मृतिक राजनाला ने बताया कि मृत युवक की शिनाख्त सुधीर साव पिता स्व. राजेंद्र साव (38) केनार, थाना वजीरगंज, जिला-गया,बिहार के रूप में हुई है। वह वर्तमान में बौरीपारा में रहकर कबाड़ का व्यवसाय करता था। चार दिन पूर्व देर शाम वह चिखलाडीह, नर्मदापुर में किराए के मकान में रहने वाले दोस्त से मिलने गया था। दोनों में विवाद हुआ था, जिसे आसपास के लोगों ने सुना था। इसके बाद से किराए में रहने वाला युवक घर में नहीं था एवं घर ऐसे ही पड़ा था। इसके कारण मकान मालिक को अनहोनी का संदेह हुआ और उसने ही पुलिस को सूचना दी। मृतक का दोस्त फरार बताया गया है। पुलिस उसके बारे में जानकारी एकत्र कर उसकी तलाश कर रही है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खास - खबर

बीएसपी सीएसआर द्वारा ग्राम बोरिगारिका में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा ग्राम बोरिगारिका में दिनांक 07 जून, 2023 को नि:षुल्क चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी के अतिरिक्त नि:षुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस षिविर में कुल 38 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया, जिसमें 08 पुरूष, 25 महिलाएं तथा 05 बच्चे शामिल थे। ग्राम बोरिगारिका में आयोजित चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम की ओर से डॉ ईशा कुजूर, बीपी व शुगर परीक्षण हेतु श्रीमती रेखा देव, फर्मासिस्ट शषि भूषण राय, पंजीकरण हेतु शंभू और विभागीय प्रतिनिधि व सीएसआर सहायक श्रीमती सीता सिन्हा उपस्थित थी। इस षिविर में सामान्य जांच के साथ मुफ्त दवा का वितरण भी किया गया। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:षुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नि:षुल्क स्वास्थ्य परीक्षण षिविर का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है। बीएसपी द्वारा आयोजित चिकित्सा षिविर का उद्देष्य गांव के अंतिम व्यक्ति तक चिकित्सा का लाभ पहुंचाना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य षिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों या खनि नगरियों में किया जा रहा है।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग ने किया वृक्षारोपण

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग द्वारा 5 जून, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण एवं जलवायु संवर्धन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए विशेष समारोह आयोजित किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन) श्री तरूण कनरार के मुख्य आतिथ्य में आयोजित वृक्षारोपण समारोह में उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा कोक ओवन कैंटीन व वर्क्स विल्डिंग के मध्य रिक्त भूमि पर अशोक वृक्ष व बोगनवेलिया के पौधे रोपित किए गए। वृक्षारोपण समारोह में महाप्रबंधक व कोक ओवन बैटरी इंचार्ज झागर सिंह, महाप्रबंधक समीर रायचैधरी, महाप्रबंधक बी सी मंडल सहित कोक ओवन के वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारीगण, यूनियन के पदाधिकारीगण सहित ठेका श्रमिक व पर्यावरण प्रेमियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता प्रदान की। मुख्य महाप्रबंधक तरूण कनरार ने सभी उपस्थित कार्मिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी अपने-अपने घरों, आस-पास के खाली जगहों, सार्वजनिक क्षेत्रों स्कूल, कार्यालयों में वृक्षारोपण कर ऑक्सीजोन बनाने तथा पर्यावरण एवं जलवायु संरक्षण की दिशा में अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए अपनी महती भूमिका व सहभागिता प्रदान करें।

1206 पदों के लिए 10 जून को विशेष रोजगार मेला का आयोजन

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशन में जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र दुर्ग द्वारा जिले में बेरोजगारी भत्ता प्राप्त हितग्राहियो के लिए निजी नियजकों द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष रोजगार मेला का आयोजन 10 जून 2023 को दुर्ग में किया जाएगा। विशेष रोजगार मेला में नियोजक प्रकाश ज्वेलर्स दुर्ग, सुख किशन बायोप्लांटेक प्रा.लि., सर्विस आर्य नगर कोहका भिलाई के लिए विभिन्न पद रिक्त हैं।

भेंट मुलाकात में विधायक देवेन्द्र ने की घोषणाएं ले रही मूर्त रूप, श्री राम जानकी मंदिर का जीर्णोद्धार भी किया जाएगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहरवासियों के लिए बहुत ही हर्ष और उत्साह की खबर है। श्री राम जानकी मंदिर का जीर्णोद्धार जल्द ही किया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी हो गई है और जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा। यह सराहनीयक कार्य भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव की पहल से हो रहा है। विधायक के प्रयास से बजट की स्वीकृति हो गई है और जल्द ही काम पूरा हो जाएगा।

गौरतलब है कि विधायक देवेंद्र यादव लगातार लोगों से भेंट मुलाकात कर रहे हैं। लोगों से मिल रहे हैं और उनका हालचाल पूछ रहे हैं। कुशल क्षेम जानने के साथ ही विधायक वार्ड के विकास कार्यों की जानकारी ले रहे हैं। लोगों से विकास पर चर्चा कर रहे हैं और लोगों की समस्याएं भी पूछ रहे हैं।

साथ ही समस्याओं का समाधान भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में जनता की मांग पर भेंट मुलाकात के दौरान विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा भी किए है। अब वे घोषणाएं जल्द ही मूर्त रूप लेगी। सभी विकास कार्यों का बारी-बारी से टेंडर जारी किया जा रहा है।

जनता की मांग हो रही पूरी

हम लगातार जनता से मिल रहे हैं। भेंट मुलाकात कर उनका कुशल क्षेत्र जान रहे हैं और वार्ड में जो समस्याएं है। उसे भी समझ रहे हैं। जनता की मांग पर समसयाओं का समाधान कर रहे हैं। जितनी भी घोषणाएं हमने की है। उन्हें पूरी की जा रही है।

देवेंद्र यादव- विधायक

जानिए कौन कौन से विकास कार्य होंगे

- 10 लाख की लागत से वार्ड 40 छावनी लक्ष्मण एवं बिजली नगर में नाली निर्माण किया जाएगा।
- 9.97 लाख की लागत से वार्ड 41 औद्योगिक क्षेत्र छावनी बीईसी, गणेश चौक व नहर किनारे नाली निर्माण किया जाएगा।
- 4 लाख की लागत से वार्ड 41 राजीव नगर छावनी में नाली निर्माण किया जाएगा।
- 6 लाख की लागत से वार्ड 41 आदिवासी नगर नंदिनी रोड के पास छोटा उद्धान बनाया जाएगा।
- 5 लाख की लागत से वार्ड 44 लक्ष्मीनारायण नगर में उड़िया बस्ती, यादव पारा में नाली निर्माण।
- 5 लाख की लागत से वार्ड 44 में ही शासकीय स्कूल के पास मंच का निर्माण किया जाएगा।
- 3 लाख की लागत से वार्ड 50 सड़क नंबर 38 में बोर खनन कर पाइप लाइन बिछाया जाएगा।
- 4 लाख की लागत से एमपीआर रोड शा प्रा शाला के समीप पइाप लाइन विस्तारीकरण किया जाएगा।
- 7 लाख की लागत से वार्ड 40 दुर्गा मंदिर के पास सामुदायिक नई सुविधा व विद्धुत संधारण किया जाएगा।
- 3.80 लाख वार्ड 47 राधाकृष्ण मंदिर स्कूल के पास छोटा उद्यान बनाया जाएगा।
- 17.67 लाख की लागत से वार्ड 48 पंप हाउस कैनाल रोड के किनारे सौंदर्यीकरण किया जाएगा।
- 8 लाख की लागत से वार्ड 40 छावनी चौक तिरंगा चौक तक सौंदर्यीकरण किया जाएगा।
- 8 लाख की लागत से वार्ड 43 बापू नगर राजीव नगर पीपल पेड़ के समीन शेड़ निर्माण।
- 15 लाख की लागत से वार्ड 44 में शाहनी बस्ती के समीप सौंदर्यीकरण ।
- 5 लाख की लागत से वार्ड 45 बालीजी नगर स्थित बाल मंदिर मैदान का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।
- 7.73लाख की लागत से वार्ड 45 में उदय मंडल स्थित जिम में जिम सामग्री प्रदाय किया जाएगा।
- 10 लाख की लागत से वार्ड 50 में ऑडिटोरियम भवन में साउड सिस्टम लगाने एवं अन्य विकास कार्य ।
- 8 लाख की लागत से वार्ड 51 में शहीद वीर नारायण सिंह नगर शिशु पार्क के समीप भवन के ऊपर प्रथम तल एवं मंच निर्माण कार्य।
- 7 लाख की लागत से वार्ड 46 नहर किनारे पचरी निर्माण कार्य।
- 7 लाख की लागत से वार्ड 50 दुर्गा मंच के समीप बाउंड्रीवॉल एवं अन्य सौंदर्यीकरण कार्य।

राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने जीते 15 मेडल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 1 जून से 4 जून तक मथुरा, उत्तर प्रदेश मे आयोजित राष्ट्रीय पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 15 मेडल प्राप्त किये।

खिलाड़ियों को मेडल एवं सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया है। महासचिव श्रीकांत ने अवगत कराया कि सभी विजेता खिलाडियो का चयन आगामी होने वाली विश्व पंजा कुश्ती प्रतियोगिता कजाकिस्तान 2023 एवं ओपन एशिया पंजा कुश्ती प्रतियोगिता उज्बेकिस्तान 2023 के लिया किया गया हैं। भारतीय पंजा कुश्ती संघ के मुख्य संरक्षक एवं छत्तीसगढ़ पंजा कुश्ती संघ के अध्यक्ष जी सुरेश पिल्ले (बाबे) ने सभी खिलाडियो को शुभकामनाएं दी, साथ ही चेयरमैन बृजमोहन् सिंह ने भी आशीर्वाद प्रदान किया।सभी खिलाडियो का प्रशिक्षण राष्ट्रीय रेफरी,छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्णायक एवं कोच ऋषभ जैन के मार्गदर्शन में हुई हैं। टीम कप्तान सन्नी बँसोड छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, और वे राष्ट्रीय प्रतियोगिता मे रेफरी भी थे।

भिलाई सीए ब्रांच की सिकासा द्वारा एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन

सीए छात्रों को आईटीआर फॉर्म्स की इ फिलिंग में आने वाली कठिनाइयों और बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई सीए ब्रांच की सिकासा शाखा द्वारा आईटीआर फॉर्म्स विषय पर एक दिवसीय सेमीनार का आयोजन सीए भवन में किया गया। सेमीनार के दौरान वरिष्ठ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स द्वारा आईटीआर ई फिलिंग और कठिनाइयों की जानकारी दी गई।

सेमीनार में वक्ता के रूप में सीए दीपांकर समाद्दार और सीए प्रभजीत सिंह जग्गी उपस्थित थे। सेमीनार इंचार्ज पूरब बरड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि सीए छात्रों को आईटीआर फॉर्म्स की इ फिलिंग में आने वाली कठिनाइयों और बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी देने इस सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें सीए दीपांकर समाद्दार ने छात्रों को संबोधित करते हुए बताया कि आईटीआर फाइल करने के लिए आवश्यक दस्तावेज होना जरूरी है। इसके अलावा नौकरीपेशा के लिए फॉर्म 16 जो कि उनकी कंपनी द्वारा दियाा जाता है और साथ ही टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट प्रूफ होना जरूरी है। सीए प्रभजीत सिंह जग्गी ने बताया कि बहुत से लोग टैक्स बचाने के लिए कुछ टैक्स सेविंग निवेश करते हैं।

जो लोग ये दस्तावेज अपने नियोक्ता को तय समय में नहीं दे पाते हैं, उन्हें आयकर रिटर्न फाइल करते समय इसका प्रूफ देने की जरूरत होती है। ये टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट प्रूफ एलआईसी प्रीमियम की रसीद, पीपीएफ में निवेश की पासबुक, ईएलएसएस का सबूत, दान की रसीद, ट्यूशन फीस की रसीद आदि हो सकती है। कार्यक्रम में भिलाई व रायपुर ब्रांच के 200 से अधिक छात्र शामिल हुए। इस दौरान रायपुर सिकासा चेयरमेन सीए रश्मि भांग्ला मुख्य रूप से उपस्थित रही।

घर-घर विशेष अभियान चलाकर शत प्रतिशत लोगों के आधार व आयुष्मान कार्ड बनाये: आयुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने डाटा सेंटर सभागार में आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड से जुड़े सभी अधिकारी व कर्मचारियों के साथ आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड बनाने के संबंध में बैठक की। बैठक में आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड बनाने संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग,राष्ट्रीय शहरी आजीविका की सामुदायिक संगठिका,राजीव युवा मितन क्लब के पदाधिकारी तथा च्वाइस सेंटर के ऑपरेटर शिविर के दौरान जाकर घर घर जाकर सर्वे करें तथा संवेदनशीलता पूर्वक कार्य करें एवम अलर्ट मोड में अपनी सेवा को अंजाम दें।

उन्होंने कहा कि कोई स्वास्थ्य सेवा को हल्के में ना लें तथा वार्डो में तिथिवार कैंप लगाकर लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड बनाने के निर्देश दिए।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बैठक में शहर में शिविर के माध्यम से आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड बनाने की प्रगति के संबंध में संबंधित विभागीय-अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की।कार्य को मिशन मोड में करते हुए आंकड़ों में उत्तरोत्तर बढ़ोतरी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए इस योजना के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करने को कहा। साथ ही बेहतर तरीके से मुनादी कराकर अधिक से अधिक लोगों को शासन की इस योजना से लाभान्वित करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त मोहेंद्र साहू,स्वास्थ्य विभाग के देवेश द्विवेदी,प्रशांत कुर्री, चंदन मनहरे आदि मौजूद रहें। उन्होंने लाभार्थियों से योजना का लाभ लेने के लिए जल्द से जल्द अपना आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड बनवाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि स्व सहयता समूह एवं मितानिन को योजना के वार्डो में घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार जहां शासन की योजना के लाभार्थी अधिक है वहां आयुष्मान कार्ड/आधार कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाकर कार्ड बनवाएं, ताकि लाभार्थी योजना का लाभ ले सकें।

सत्ती चौरा में विधायक वोरा ने किया 20 लाख के डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन

शहर के 45 आंतरिक सड़कों का 5 करोड़ की लागत से हुआ नवीनीकरण:वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने महापौर धीरज बाकलीवाल की मौजूदगी में गंजपारा स्थित सत्ती चौरा के समीप 20 लाख के डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया।

वोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप शहर के सभी आंतरिक जर्जर हो चुके प्रमुख मार्गों के संधारण, उन्नयन व नवीनीकरण के लिए 5 करोड़ की राशि स्वीकृत कराई गई थी जिसके अंतर्गत अब तक 45 सड़कों का संधारण कर आम जनता का यातायात सुगम बनाया गया है। कांग्रेस शासन के अब तक के कार्यकाल मेँ सभी 60 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के जनभावनाओं के अनुरूप लगातार विकास कार्य जारी हैं। बरसात के पूर्व सभी सड़कों के डामरीकरण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं जिसका क्रियान्वयन किया जा रहा है। भूमिपूजन के दौरान पार्षद ऋषभ जैन, शंकर ठाकुर, अभियंता संजय ठाकुर समेत वार्ड वासी मौजूद थे।

नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा 2022 बैच के नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों का प्रबंधन के साथ संवाद हेतु दिनांक 07 जून 2023 को कलामंदिर, सिविक सेंटर में विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता थे। अनिर्बान दासगुप्ता ने, कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित किया और नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों को बधाई देते हुए, भविष्य में उनके नये कार्यभार के लिए शुभकामनायें दी।

उन्होंने प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, संयंत्र को प्रत्येक स्तर पर सदैव अग्रसर बनाये रखने हेतु आप सभी अपने सुझाव देने के लिए हमेशा आमंत्रित हैं। उन्होंने सुरक्षा के साथ पर्यावरण के प्रति सजग रहते हुए, उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता को बनाये रखने की चुनौती पर जोर दिया। रावघाट खदान के विकास के साथ निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विभिन्न स्तरों पर आसपास के क्षेत्रों के विकास की भी बात कही। साथ ही पर्यावरण संरक्षण हेतु 2030 तक कार्बन डाई ऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने के प्रण पर भी प्रकाश डाला।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने कहा कि हमारी कार्यक्षमता, निपुणता अन्य संयंत्रों से अधिक होनी चाहिए और ये सतत् रूप से होना चाहिए, जिससे हमारे संयंत्र को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कनिष्ठ अधिकारियों से कहा कि इस कार्य के लिए संयंत्र को आप सभी पर पूर्ण विश्वास है और ये बड़ी जिम्मेदारी अब आप पर है। इस अवसर पर मंच में कार्यपालक निदेशक एवं अतिरिक्त प्रभार कार्यपालक निदेशक सुब्रत मुखोपाध्याय, कार्यपालक निदेशक अजय कुमार चक्रबर्ती, कार्यपालक निदेशक डॉ अशोक कुमार पंडा, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (माइंस एवं रावघाट) समीर स्वरुप तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवांए) डॉ एम रविन्द्र नाथ उपस्थित थे और उन्होंने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उपरोक्त उच्च अधिकारियों के अलावा संयंत्र के विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे। इसके बाद, संयंत्र के प्रबंधन और नव पदोन्नत कनिष्ठ अधिकारियों के बीच संवाद का दौर प्रारंभ हुआ।

जिसमें सभी कनिष्ठ अधिकारियों ने, संयंत्र के प्रति समर्पण दर्शाते हुए, अपने चयन के लिए प्रबंधन को धन्यवाद दिया। साथ ही निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रतिबद्ध रहने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (मानव संसाधन विकास) अमूल्य प्रियदर्शी द्वारा दिया गया। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (संपर्क प्रशासन, राजभाषा) जितेन्द्र मानिकपुरी द्वारा किया गया।

गैर संकार्थ विभाग के कार्मिक कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई।भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा ऐसे कार्मिक जो कार्यस्थल में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग, संगठनात्मक उद्देष्यों को पूरा करने के लिए उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए तकनीकी/प्रक्रियात्मक अनुषासन का पालन करने में असाधारण प्रतिभा का प्रदर्षन करते है, को प्रेरित करने और पहचान देने के लिए प्रतिमाह ''कर्म षिरोमणि पुरस्कार'' प्रदान किया जाता है।

इसी क्रम में माह जनवरी 2023, फरवरी 2023, मार्च 2023 व अप्रैल 2023 के लिए मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक) संदीप माथुर द्वारा सामग्री प्रबंधन विभाग से नीरज कुमार शुक्ला, वरिष्ठ हेड स्टोर कीपर,जी सिमांचल, हेड स्टोर कीपर एवं राजेन्द्र राय, हेड स्टोर कीपर, नगर सेवाएं विभाग से एर्नाजेथ विष्वनाथन सुनील, चार्जमैन-कम-वरिष्ठ तकनीषियन एवं रूधाकांत भोई, जूनियर इस्टेट इंस्पेक्टर, वित्त एवं लेखा विभाग से सुनील कुमार शर्मा, अनुभाग अधिकारी (वित्त) एवं सुश्री चन्द्रालता चन्द्राकर, वरिष्ठ स्टाफ सहायक, मानव संसाधन विकास विभाग से श्रवण सिंह पुरोहित, ओसीटी, गैर संकार्य विभाग से कन्हैया लाल सोनी, वरिष्ठ स्टाफ सहायक एवं सुश्री अनुराधा ध्रुव, कनिष्ठ स्टाफसहायक को सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार योजना में पुरस्कृत कार्मिकों को सम्मान के रूप में प्रबंधन द्वारा उत्कृष्टता प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, कार्मिक की पत्नी के लिए प्रषंसा पत्र, मिठाई पैकेट प्रदान की जाती है। साथ ही पुरस्कार विजेता की तस्वीर संबंधित विभाग के नोटिस बोर्ड में प्रदर्षित किया जाता है। कार्यक्रम का आयोजन इस्पात भवन सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (नगर सेवाएं) के सी त्रिपाठी, महाप्रबंधक स्वरूप हल्दर, महाप्रबंधक एस के सोनी, महार्प्रबंधक राजेष कुमार, महाप्रबंधक आर के भट्टाचार्जी, महाप्रबंधक के सुपर्णा, उप महाप्रबंधक राजीव कुमार, सहायक महाप्रबंधक रणबीर पुन्न, वरिष्ठ प्रबंधक एस के मिश्रा, वरिष्ठ प्रबंधक आर के महाराणा, वरिष्ठ प्रबंधक सुश्री जी एम व्ही पद्मिनी कुमार एवं सुश्री उषा साजी, वरिष्ठ प्रबंधक (कार्मिक-गैर संकार्य) की गरिमामय उपस्थिति रही।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950